राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 25 जनवरी 2025 वर्ष-8,अंक-03 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाकुंभ 2025 के 12वें दिन भी श्रद्धालुओं का जोश हाई पर,लाखों ने लगाई संगम में डुबकी

-सुरक्षा के इंतजाम और स्वच्छता को लेकर मोदी और योगी को दे रहे साधुवाद

प्रयागराज।

तीर्थराज प्रयागराज में महाकुंभ 2025 का आयोजन हो रहा है। इसमें रोजाना लाखों श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। महाकुंभ के 12वें दिन भी श्रद्धालु अच्छी खासी संख्या में दिखाई दिए। इस दौरान संगम में डुबकी लगाने पहुंचे कई श्रद्धालुओं ने कहा कि ऐसी व्यवस्था की उन्हें उम्मीद नहीं थी। 13 जनवरी को शुरू हुए महाकुंभ 2025 को अब 12 दिन हो चुके हैं। लेकिन अभी भी श्रद्धालुओं का जोश ठंडा नहीं पड़ा है, उनका आना जारी है। शुक्रवार को भी लाखों श्रद्धालु गंगा, यमुना और अदृश्य हो चुकी सरस्वती के त्रिवेणी तट पर ब्रह्म मुहूर्त से ही आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। महाकुंभ में नेपाल से भी लोग संगम स्नान करने आ रहे हैं। उन्होंने विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन की सुव्यवस्था देखकर शासन-प्रशासन की तारीफ की और मुख्यमंत्री योगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साधुवाद दिया। नेपाल से आए पारस ने बताया कि महाकुंभ में आकर बहुत खुशी हो रही है, इस शब्दों में बयां नहीं कर सकता। मैंने सोचा नहीं था कि इतनी अच्छी व्यवस्था होगी। वहीं, सुरक्षा के भी इंतजाम पुख्ता हैं। पीएम मोदी को इसके लिए बहुत धन्यवाद देना चाहूंगा।

इसतरह एक एक श्रद्धालु भीड़ नियंत्रण को लेकर तत्पर टीम की प्रशंसा करते नहीं थके। उन्होंने कहा, इस बार महाकुंभ की बहुत अच्छी व्यवस्था है। नहाने के लिए विशेष ख्याल रखा गया है। भीड़ को नियंत्रित करने का विशेष ख्याल रखा गया है। स्टेशन से लेकर घाट तक सुरक्षा का विशेष इंतजाम है। कोई परेशानी नहीं हो रही है।

वहीं एक महिला श्रद्धालु जो कि प्रयागराज से ही हैं। उन्हें मेला क्षेत्र की स्वच्छता पसंद आ रही है। उन्होंने कहा, इस बार कुंभ की

व्यवस्था बहुत अच्छी की गई है। साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखा गया है, जहां भी हल्की गंदगी हो रही है, सफाईकर्मी उस गंदगी को तुरंत साफ कर दे रहे हैं।

1000 करोड़ की ठगी मामले में ईड़ी ने जयपुर और मुंबई में मारे छापे

आठ आरोपी विदेश भागे,7 आरोपी विदेशी

मुंबई ।

केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को टोरेस ज्वेलरी के 1000 करोड रुपए धोखाधड़ी के मामले में मुंबई और जयपुर के 10 ठिकानों पर छापे डाले हैं। मुंबई पुलिस की ओर से ठगी की शिकायत दर्ज कराई गई थी। ईड़ी ने धन शोधन मामले मैं यह छापे डाले हैं। कंपनी ने मुंबई और उसके आसपास के एक लाख से अधिक निवेशकों को निवेश योजना में आकर्षक लाभ देने का लालच देकर 1000 करोड रुपए से अधिक की धोखाधड़ी की है। ईड़ी ने यूक्रेन के 7 तथा पांच भारतीयों को इस मामले में आरोपी बनाया है। मुंबई हाईकोर्ट मे पुलिस ने जो जानकारी दी है। उसके अनुसार सात आरोपी यूक्रेन के थे। एक भारतीय आरोपी भी 30 दिसंबर 2024 से पहले भारत छोड़कर विदेश भाग गया है। धोखाधड़ी का यह मामला

उजागर होने के बाद मुंबई पुलिस द्वारा कार्रवाई की गई है। मुंबई हाईकोर्ट ने मुंबई पुलिस की तीव्र आलोचना की है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश रेवती मोहते डेरे, और नीति गोखले की खंडपीठ ने कहा है, मुंबई पुलिस ने तत्पता से काम नहीं किया है। जिसके कारण अपराधी देश छोड़कर भाग गए हैं। ईड़ी के छापे में क्या मिला है। इसको लेकर अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। इस मामले की सुनवाई मुंबई हाईकोर्ट में हो रही है।

पहला कॉलम

पहला मेड इन इंडिया चिप इसी साल होगा लॉन्चः अश्विनी वैष्णव

दावोस । स्विट्जरलैंड वर्ल्ड एकानो मिक फोरम के समारोह में भारतीय केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश की तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए एक घोषणा की है। उन्होंने लोगों के बीच 'मेड इन इंडिया' चिप को शानदार आखिरकार लॉन्च करने की घोषणा की है। पिछले जनवरी के दावोस सम्मेलन में किए गए जामिन के बाद, यह चिप पहले से प्लान की गई दिसंबर 2024 की तुलना में जल्दी लॉन्च किया जाने वाला है। केन्द्रीय मंत्री ने सेमीकंडक्टर और विश्वकर्मा अनिश्चितताएं दूर करने के लिए इस चिप के शुद्धता और सुरक्षा पर जोर दिया है। उन्होंने इस चिप के संभावित लॉन्च के साथ, डिज़ाइनरों, उत्पादकों, और सामग्री निर्माताओं को भारत में आकर्षित करने का भी पुर्जोर प्रयास दिखाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले निर्माण को बढ़ावा देने के लिए भविष्यानुकूल योजनाओं और निवेश के माध्यम सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम की मंजूरी दी थी। यह कदम सेमीकंडक्टर बाजार में एक प्रभावशाली प्रतिष्ठा बनाने के साथ साथ, तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की मदद करेगा।

कैरी बैग के ग्राहक से लिए पैसे, ठोका 35 हजार रुपए का जुर्माना

मुंबई । लखनऊ में एक निजी रिटेल स्टोर में किए गए कैरी बैग शुल्क के अपराध पर जिला उपभोक्ता फोरम ने कठोर कार्रवाई की। ग्राहक से 18 रुपए कैरी बैग के नाम पर वसूलते समय रिटेल स्टोर को 35 हजार 18 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। जिला उपभोक्ता फोरम में यह मामला दर्ज किया गया था जब एक ग्राहक ने शॉपिंग सेंटर में एक कैरी बैग को खरीदने पर 18 रुपए की मांग पर विरोध किया था। ग्राहक के अधिवक्ता ने बताया कि उनके क्लाइंट को वसूला गया धन वापस करने के लिए उन्होंने जिला उपभोक्ता फोरम में शिकायत की थी। जिला उपभोक्ता फोरम ने ग्राहक के पक्ष में अदालती फैसले किया और कहा कि कैरी बैग का शुल्क जबरदस्ती वसूला नहीं जा सकता है। इसके अतिरिक्त, रिटेल स्टोर पर 18 रुपए के वसूले के साथ साथ 35 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। इस फैसले से ग्राहकों के अधिकारों की रक्षा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

ठगों ने चुराया मोबाइल फोन, फिर किया लाखों का लेन-देन, दो गिरफ्तार

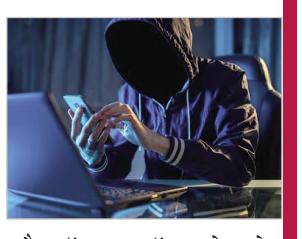

नई दिल्ली। आज अच्छा खाना, कपड़े, जूते, एसी, फ्रिज, टीवी या फिर बिना कैश निकाले और बैंक गए भुगतान करने की सुविधा हो यह सबकुछ ऑनलाइन उपलब्ध है, लेकिन, इसके साथ ही कई परेशानियों का भी लोगों को सामना करना पड़ रहा है। ऑनलाइन फ्रॉड करने वाले गिरोह इतने सक्रिय हो चुके हैं कि जरा सी गलती की और बैंक अकाउंट खाली हो गया। इसमें मोबाइल की भूमिका अहम हो गई है। दिल्ली में फॉड का ऐसा ही मामला सामने आया है जहां एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने कथित तौर पर मोबाइल फोन चोरी करने और अवैध तरीके से करीब 1.4 लाख रुपए का लेनदेन करने के आरोप में दो लोगों को पकड़ा है। डीसीपी ने कहा कि पिछले साल 23 नवंबर को मुंडका निवासी युवक ने मोबाइल फोन चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। चोरी के बाद उसके खाते से 1.4 लाख रुपए की यूपीआई लेनदेन की गई थी। इससे पीड़ित के होश उड़ गए थे। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

महाकुंभ में लगी आग की खालिस्तान समर्थक आतंकी संगठन केजेडएफ ने ली जिम्मेदारी, कहा-

यह सिर्फ एक चेतावनी थी

प्रयागराज ।

यूपी के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में बीते 19 जनवरी को लगी आग की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) ने ली है। जिसके बाद अब यूपी एटीएस और एनआईए अलर्ट हो गई है। अब ये एजेंसियां अग्निकांड में आतंकी कनेक्शन तलाश रही हैं। आतंकवादी संगठन केजेडएफ ने ईमेल के जरिए बताया कि यह हादसा पीलीभीत में हुए एनकाउंटर का बदला था। इसके साथ ही, ईमेल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी जिक्र किया गया है। विदित हो कि प्रयागराज महाकुंभ में 19 जनवरी शाम करीब 4 बजे सेक्टर 19 में आग लग गई थी। इस हादसे में 40 कुटिया और छह टेंट जल गए थे। महाकुंभ प्रशासन के मुताबिक गीता प्रेस की रसोई में छोटे सिलेंडर से चाय बनाने के दौरान गैस लीक होने के कारण आग लगी। खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स ने कनाडा और पंजाब के पत्रकारों को ई-मेल भेजा है। इसमें लिखा है, ÷खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स कुंभ मेले के दौरान हुए दोहरे विस्फोट की जिम्मेदारी लेता है। इस कृत्य का मुख्य उद्देश्य किसी को चोट पहुंचाना नहीं था। यह सिर्फ सीएम योगी के लिए एक चेतावनी थी कि हम आपके बहुत करीब हैं। यह ब्लास्ट पीलीभीत फर्जी मुठभेड़ में मारे गए तीन भाइयों की हत्या का बदला लेने के लिए किया है। यह तो बस शुरुआत है।÷ यह मेल फतेह सिंह नाम के युवक ने भेजा है।

सेना की हथियार फैक्ट्री में धमाका, 8 मौतें

7 गंभीर घायल; 5 का रेस्क्यू

भंडारा । महाराष्ट्र के भंडारा में सेना की हथियार फैक्ट्री में शुक्रवार धमाका हुआ। हादसे में अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है, 7 गंभीर घायल हैं। भंडारा कलेक्टर संजय कोलते ने बताया कि धमाके से फैक्ट्री की छत गिर गई, जिसमें 13 से 14 लोगों के फंसे होने की आशंका है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी गई। धमाके के बाद लोहे और पत्थर के टुकड़े दूर-दूर बिखरे हुए दिखाई दिए। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक विस्फोट जवाहर नगर इलाके में स्थित फैक्ट्री के एलटीपी (लॉन्ग टर्म प्लानिंग) सेक्शन में हुआ। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री और नागपुर के सांसद नितिन गडकरी ने भी हादसे में गिरी छत के नीचे 13-14 लोगों के फंसे होने की जानकारी दी।

जब फारूक अब्दुल्ला ने गाया 'तूने मुझे बुलाया शेरावालिये', वीडियो वायरल

-पूर्व सीएम ने एक कार्यक्रम में कहा-हर धर्म की मूल शिक्षा एक जैसी है

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने कटरा में एक धार्मिक कार्यक्रम में भजन गाया। यह कार्यक्रम माता वैष्णो देवी यात्रा के बेस कैंप में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में फारूक अब्दुल्ला ने मशहूर भजन 'तूने मुझे बुलाया शेरावालिये' की पंक्ति गाई तो लोग भी झूम उठे बाद में उनकी तारीफ करते नजर आए। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को कटरा के रियासी जिले का दौरा किया। आश्रम के अंदर भजन गाए जा रहे थे। फारूक अब्दुल्ला वहां पहुंचे तो उन्हें माइक दिया गया तो उन्होंने भी बिना देरी किए 'तूने मुझे बुलाया शेरावालिये, मैं आया-मैं आया शेरावालिये' भजन गाया। इस कार्यक्रम में फारूक अब्दुल्ला ने कटरा के लोगों के समर्थन में अपनी आवाज उठाई।

बता दें ये लोग के बलकार परियोजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जो लोग मंदिर के संचालन का प्रबंधन कर रहे हैं, उन्हें ऐसे कदमों से बचना चाहिए जो स्थानीय जनता को नुकसान पहुंचाते हों या उनके लिए समस्याएं पैदा करते हों।

26 जनवरी से दिल्ली के चुनावी रण में उतर सकती हैं प्रियंका

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में अपनी पहली रैली को करेंगी संबोधित

नई दिल्ली ।

कांग्रेस महासचिव और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा 26 जनवरी से दिल्ली में विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत कर सकती हैं। कांग्रेस के अभियान प्रबंधन से जुड़े वरिष्ठ नेता ने उम्मीद जाहिर की कि प्रियंका गांधी वाड्रा 26 जनवरी की शाम को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में अपनी पहली रैली को संबोधित कर सकती हैं। सभी कांग्रेस उम्मीदवारों ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) से अनुरोध किया है कि प्रियंका उनकी सीट पर प्रचार करें। हालांकि, प्रियंका गांधी वाड्रा केवल महत्वपूर्ण विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार करेंगी।

कांग्रेस ने चुनाव से पहले लोगों से पांच वादे किए हैं, इसमें प्यारी दीदी योजना के तहत महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह, दिल्ली के सभी निवासियों के लिए 25 लाख रुपये का आजीवन स्वास्थ्य बीमा, शिक्षित बेरोजगार युवाओं को एक साल के लिए अपने रोजगार कौशल विकसित करने के लिए 8,500 रुपये प्रति माह वजीफा, 500 रुपये में सब्सिडी वाली रसोई गैस, मुफ्त राशन किट और 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा शामिल हैं। 2015 और 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में शून्य सीटें पाने के बाद पार्टी दिल्ली में वापसी के लिए एड़ीचोटी का जोर लगा रही है, क्योंकि पिछले दो चुनावों में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली थी। वहीं, गुरुवार को लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद में अपनी रैली रद्द कर दी, इससे चुनाव प्रचार में उनकी उपलब्धता को लेकर संशय बरकरार है।

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर राज्य को विकसित व आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लें: योगी

उपमुख्यमंत्री मौर्य ने 76वें स्थापना दिवस की लोगों को हार्दिक बधाई

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को बधाई देकर राज्य के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, रघुकुलनंदन प्रभु श्री राम एवं योगेश्वर श्रीकृष्ण की पावन जन्मस्थली, बाबा श्री विश्वनाथ के आशीर्वाद से अभिसिंचित, सृजन, संस्कृति, संस्कार व शौर्य की गौरवशाली धरा उत्तर प्रदेश के 76वें स्थापना दिवस की प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में नया उत्तर प्रदेश विकास, सुरक्षा और सुशासन के नित नए मापदंड स्थापित कर रहा है। आइए, हम सब मिलकर उत्तर प्रदेश को 'विकसित-आत्मनिर्भर प्रदेश' बनाने हेतु संकल्पित हों। वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी पोस्ट में लिखा, 'उन्नति के रथ पर, बदलाव के पथ पर उत्तर प्रदेश मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम व लीलाधर श्री कृष्ण की जन्मभूमि, महाकुंभ की धरती तथा विविधता में एकता को समेटे लोक कला, संस्कृति, धर्म, संस्कार एवं अपने ऐतिहासिक शौर्य गाथा से परिपूर्ण वीर धरा हमारे उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।'

डिप्टी सीएम मौर्य ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार निरंतर आप सभी के विकास, समृद्धि एवं खुशहाली के लिए संकल्प बद्ध है। उत्तर प्रदेश का गठन 24 जनवरी 1950 को हुआ था, लेकिन इसका स्थापना दिवस 2018 से मनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल राम नाइक की पहल पर इसकी शुरुआत हुई।

-विपक्ष का दावा-प्रस्तावित बदलावों का अध्ययन करने नहीं दिया जा रहा समय

वक्फ संशोधन पर जेपीसी बैठक में हंगामा, बुलाए मार्शल, विपक्षी सदस्य सस्पेंड

नई दिल्ली।

वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर संसदीय समिति की शुक्रवार को अहम बैठक हुई। बैठक हंगामेदार रही। विपक्षी सदस्यों ने दावा किया कि उन्हें मसौदा कानून में प्रस्तावित बदलावों का अध्ययन करने के लिए समय नहीं दिया जा रहा है। वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर जेपीसी बैठक में जोरदार हंगामे को देखते हुए मार्शल बुलाए गए। बवाल इतना हुआ कि विपक्ष के सभी सांसदों को सस्पेंड कर दिया है।

दरअसल, वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त समिति कश्मीर के धार्मिक प्रमुख मीरवाइज उमर फारूक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल के विचार सुनने वाली थी। मीरवाइज को बुलाने से पहले समिति के सदस्यों ने आपस में चर्चा की। विपक्षी नेताओं द्वारा बीजेपी पर दिल्ली चुनावों को ध्यान में रखते हुए वक्फ संशोधन विधेयक पर रिपोर्ट को जल्द स्वीकार करने का दबाव बनाने के दावे के साथ तूफानी हो गई। बैठक के दौरान तीखी नोकझोंक हुई उसके बाद कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित कर दी। मीरवाइज के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने दोबारा बैठक शुरू होने के बाद समिति के सामने पेश किया।

टीएमसी सदस्य कल्याण बनर्जी और कांग्रेस सदस्य नसीर हुसैन बैठक से बाहर चले गए और उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि समिति की कार्यवाही दिखावा है। उन्होंने मांग की कि प्रस्तावित संशोधनों की धारा-दर-धारा जांच के लिए 27 जनवरी को होने वाली बैठक को 30 जनवरी या 31 जनवरी तक टाल दिया जाए। वहीं, बीजेपी सदस्य निशिकांत दुबे ने विपक्षी सदस्यों की आलोचना करते हुए कहा कि उनका आचरण संसदीय परंपरा के खिलाफ है और वे बहुमत की आवाज को दबाने का प्रयास कर रहे हैं।

समिति के सामने पेश होने से पहले मीरवाइज ने कहा कि उन्होंने वक्फ संशोधन विधेयक का कड़ा विरोध किया और धर्म के मामलों में सरकार के हस्तक्षेप का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि हमारे सुझावों को सुना जाएगा और उन पर अमल किया जाएगा और ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जाएगा, जिससे मुसलमानों को लगे कि उन्हें कमजोर किया जा रहा है।

मीरवाइज ने कहा कि वक्फ का मुद्दा बहुत ही गंभीर मामला है, खासकर जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए क्योंकि यह मुस्लिम बहुल राज्य है। इसको लेकर बहुत से लोगों को चिंता है और हमने इन चिंताओं को बिंदुवार तरीके से दूर करते हुए एक विस्तृत ज्ञापन तैयार किया है। हम चाहते हैं कि सरकार वक्फ के मामलों में दखलअंदाजी न करे। उन्होंने दावा किया कि जम्मू-कश्मीर में पहले से ही तनाव का माहौल है, जब मस्जिदों और मंदिरों की बात होती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लोकतंत्र को मजबूती देने के लिये मतदाता को जागना होगा

भारतीय लोकतंत्र दुनिया का विशालतम लोकतंत्र है और समय के साथ परिपक्व भी हुआ है। बावजूद इसके लोकतंत्र अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं का भी शिकार है। मुख्यत: चुनाव प्रक्रिया में अनेक छिद्र हैं, सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा छिद्र चुनावों की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता को लेकर है। खरीद-फरोख्त, नशा एवं मतदाताओं को लुभाने एवं आकर्षित करने का आरोप भी लोकतंत्र पर बड़े दाग हैं। चुनाव सुधारों की तरफ हम चाह कर भी बहुत तेजी से नहीं चल पा रहे हैं। चुनाव आयोग जैसी बड़ी और मजबूत संस्था की उपस्थिति के बाद भी चुनाव में धनबल, बाहूबल एवं सत्ताबल का प्रभाव कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है।

(लेखक- ललित गर्ग)

(राष्ट्रीय मतदाता दिवस - 25 जनवरी, 2025)

भारत में राष्ट्रीय मतदाता दिवस प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को मनाया जाता है। विश्व में भारत जैसे सबसे बड़े लोकतंत्र में मतदान को लेकर कम होते रुझान को देखते हुए इस दिवस को मनाने की आवश्यकता महसूस हुई और पहली बार इसे वर्ष 2011 में मनाया गया। इसके मनाए जाने के पीछे निर्वाचन आयोग का उद्देश्य था कि देश अधिकतम मतदान को प्रोत्साहन दिया जाये। 'मतदाता बनने पर गर्व है, मतदान को तैयार हैं' जैसे नारों के साथ मतदान दिवस मनाने का मुख्य कारण है कि लोगों को मतदान का महत्व बताया जाए ताकि लोग इसके प्रति जागरूक हो और अपने मत का आवश्यकतरूप से उपयोग करते हुए सही उम्मीदवार को चुने। 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस-2025 की थीम है ''वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम।'' ऐसा करके ही लोकतंत्र को मजबूती दी जा सकती है। पिछले कुछ वर्षों में इसने मतदान के अधिकार के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेषत: युवा मतदाताओं को पंजीकृत करने, उन्हें मताधिकार का उपयोग करने के लिये अग्रसर और प्रेरित करने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका बनी है। चुनाव आयोग इस मंच का उपयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों में योगदान देने वाले अधिकारियों, हितधारकों और संगठनों के प्रयासों को मान्यता देने के लिए भी करता है। यह लोकतांत्रिक मील का पत्थर बना है और भारत के लोकतंत्र के 78 वर्षों की यात्रा और चुनावी अखंडता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता के लिये इसे जश्न रूप में मनाया जाता है।

किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। इसलिये इस दिन भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए, क्योंकि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य की नींव रखता है और उन्नत राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी निभाता है। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं बैठता अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाकर नायक चुनती है। लेकिन जनता तिलक किसको लगाये, इसके लिये सब तरह के साम-दाम-दंड अपनाये जा रहे हैं। हर राजनीतिक दल अपने लोकलुभावन वायदों एवं घोषणाओं को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बता रहे हैं, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है। लेकिन ऐसा होता तो आजादी के अमृतकाल तक पहुंच जाने के बाद भी देश गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अफसरशाही, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य समस्याओं से नहीं जुझता दिखाई देता। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि 卐अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे।卐 इसलिये यह दिवस मतदाता को जागरूक करने के साथ प्रशिक्षित भी करता है।

भारतीय लोकतंत्र दुनिया का विशालतम लोकतंत्र है और समय के साथ परिपक्व भी हुआ है। बावजूद इसके लोकतंत्र अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं का भी शिकार है। मुख्यत: चुनाव प्रक्रिया में अनेक छिद्र हैं, सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा छिद्र चुनावों की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता को लेकर है। खरीद-फरोख्त, नशा एवं मतदाताओं को लुभाने एवं आकर्षित करने का आरोप भी लोकतंत्र पर बड़े दाग हैं। चुनाव सुधारों की तरफ हम चाह कर भी बहुत तेजी से नहीं चल पा रहे हैं। चुनाव आयोग जैसी बड़ी और मजबूत संस्था की उपस्थिति के बाद भी चुनाव में धनबल, बाहूबल एवं सत्ताबल का प्रभाव कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है। ये तीनों ही हमारे प्रजातंत्र के सामने सबसे बड़ा संकट है। इन सब संकटों से मुक्ति के लिये मतदाता की जागरूकता की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पहलू चुनाव है, लोकतंत्र में स्वस्थ मूल्यों को बनाये रखने के साथ उसमें सभी मतदाताओं की सहभागिता को सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिये चुनाव आयोग का आरईवीएम के प्रयोग का प्रस्ताव सैद्धांतिक तौर पर एक सराहनीय एवं जागरूक लोकतंत्र की निशानी है। क्योंकि आजादी के बाद से ही जितने भी चुनाव हुए है, उनमें लगभग आधे मतदाता अपने मत का उपयोग अनेक कारणों नहीं कर पा रहे हैं, ऐसा हर चुनाव में होता आया है। इसलिए लंबे समय से मांग उठती रही थी कि ऐसे लोगों के लिए मतदान का कोई व्यावहारिक एवं तकनीकी उपाय निकाला जाना चाहिए। उसी के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के द्वारा घरेलू प्रवासियों के लिए आरवीएम का प्रस्ताव एक सूझबूझभरा एवं दूरगामी सोच एवं विवेक से जुड़ा उपक्रम है। जरूरत है राजनीतिक दल ऐसे अभिनव उपक्रम का विरोध करने या अवरोध खड़ा करने की बजाय उसका अच्छाइयों को स्वीकार करते हुए स्वागत करें।

इनदिनों दिल्ली विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां उग्रता पर है और इसमें मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की होड़-सी लगी है। लोकतन्त्र में यह मुफ्त बांटने की मानसिकता एक तरह का राजशाही का अन्दाज ही कहा जायेगा जो लोकतंत्र के मूल्यों के विपरीत है। लोकतंत्र में कोई भी सरकार आम जनता की सरकार ही होती है और सरकारी खजाने में जो भी धन जमा होता है वह जनता से वसूले गये शुल्क या टैक्स अथवा राजस्व का ही होता है। राजशाही के विपरीत लोकतन्त्र में जनता के पास ही उसके एक वोट की ताकत के भरोसे सरकार बनाने की चाबी रहती है। दरअसल, जनता के हाथ की इस चाबी को अपने पक्ष में घुमाने एवं जीत का ताला खोलने के लिये यह मुफ्त की संस्कृति एक राजनीतिक विकृति के रूप में विकसित हो रही है। वृद्धों को मुफ्त धार्मिक यात्रा-पेंशन, युवाओं को रोजगार देने का वायदा, महिलाओं को नगद राशि एवं मुफ्त बस सफर हो या बिजली-पानी या गैस सिलेंडर। हालात यह हो गए है कि इस मामले में लगभग सभी पार्टियों के बीच एक होड़ जैसी लग गई है कि मुफ्त के वादे पर कैसे मतदाताओं से अपने पक्ष में लुभा कर मतदान कराया जा सके। इससे राज्यों का आर्थिक संतुलन लड़खड़ाता है या वे कर्ज में डूबती है तो इसकी चिन्ता किसी भी दल की सरकार को नहीं है। इस बड़े संकट से उबारने का काम मतदाता ही कर सकता है, वह बिना प्रलोभन, लोभ एवं मुफ्त की सुविधाओं के निष्पक्ष मतदान के लिये आगे आये।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस से जुड़ा एक और महत्वपूर्ण विमर्शनीय विषय है लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का सुझाव, इसको लेकर एक सार्थक बहस छिड़ी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों चुनावों को एक साथ कराने का सुझाव दिया था। चुनाव एक साथ कराने का विचार बहुत नया हो, ऐसा भी नहीं है। पिछली सरकारों में भी समय-समय पर इस पर चर्चाएं होती रही हैं। लेकिन इस व्यवस्था को लागू करने को लेकर अनेक संवैधानिक समस्याएं भी और कुछ बुनियादी सवाल भी है। इन सबका समाधान करते हुए यदि हम यह व्यवस्था लागू कर सके तो यह सोने में सुहागा होगा। जनता की गाढी कमाई की बर्बादी को रोकने, बार-बार चुनाव प्रक्रिया के होने जनता को होने वाली परेशानी और प्रशासनिक कार्य में होने वाली असुविधाओं को रोकने के लिए चुनाव एक साथ कराने की व्यवस्था निश्चित रूप से लोकतंत्र को एक नई उष्मा एवं नया परिवेश देगी। यदि इसके लिये कोई सर्वमान्य रास्ता निकलता है तो सचमुच यह देश, समाज और लोकतंत्र के हित में होगा। जैसाकि हम जानते हैं कि लोग शीघ्र ही अच्छा देखने के लिए बेताब हैं, उनके सब्र का प्याला भर चुका है। लोकतंत्र को दागदार बनानेवाले अपराध और अपराधियों की संख्या बढ़ रही है। जो कोई सुधार की चुनौती स्वीकार कर सामने आता है, उसे रास्ते से हटा दिया जाता है। लेकिन इस बार राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर ऐसा एक नया रास्ता बने जो लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने एवं चुनाव की खामियों को दूर करने के लिये एक नया सूरज उदित करें और मतदाताओं को उनकी जिम्मेदारियों का अहसास कराये, तभी इस दिवस की सार्थकता एवं प्रासंगिकता है।

संपादकीय

मुफ्त का चंदन

यह विडंबना है कि आजादी की हीरक जयंती मना चुके देश में मतदाता को हम इतना जागरूक नहीं बना पाए कि वो अपने विवेक से मतदान कर सके। निस्संदेह, यदि देश में गरीबी और आर्थिक असमानता है तो हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है। लेकिन हम में कम से कम इतना राष्ट्र प्रेम तो होना चाहिए कि निहित स्वार्थों के लिये हम राष्ट्रीय हितों की बलि न चढ़ाएं। दिल्ली के चुनाव में मुफ्त-मुफ्त का जो खेल विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान चल रहा है, उसके जनक विभिन्न राज्यों में कई राजनेता भी रहे हैं। लेकिन फिलहाल दिल्ली में केजरीवाल की चर्चा ज्यादा है। वे नित नये राजनीतिक प्रलोभन देकर मतदाताओं को अपने पाले में लाने के प्रयास में जुटे हैं। विडंबना यह है कि कुछ समय पहले तक भाजपा का शीर्ष नेतृत्व भी मुफ्त की रेवड़ियां बांटने को राष्ट्रीय हितों के लिये घातक बताता था, वही भाजपा केजरीवाल को उसी की मुफ्त वाली नीतियों से मात देने के लिये चुनावी मैदान में उतरी है। दरअसल पिछले आम चुनाव में चार सौ पार के अरमानों को झटका लगने के बाद भाजपा भी मुफ्त के खेल में उलझ गई है। दौड़ में अब कांग्रेस भी उतर गई है। विडंबना यह है कि जो पैसा दीर्घकालिक विकास कार्यों में लगाया जाना चाहिए था, वह मुफ्त के फेर में फंस गया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जिस भी महकमे ने मुफ्त में सेवाएं देनी शुरू की, उसका भट्ठा ही बैठा है। अब चाहे मुफ्त की बिजली हो, पानी हो या फिर बस सेवा। कमोबेश, यही हाल भारतीय रेलवे का भी है, जो राजनेताओं के किराये बढ़ाने के विरोध के बाद खुद को संभाल नहीं पा रही है। बड़ा तंत्र होने के बावजूद उसके सुरक्षातंत्र को मजबूत बनाने के लिये पर्याप्त लाभ नहीं कमाया जा सका। विडंबना यह भी है कि तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार और दूरदर्शी राजनेताओं के अभाव में विकास की रोशनी हर घर तक नहीं पहुंची। लेकिन इसका समाधान मुफ्त के खेल में कदापि नहीं है। निस्संदेह, मुफ्त की नीति लोगों को अकर्मण्य बनाती है। जरूरी था कि लोगों को इतना सक्षम बनाया जाता कि उन्हें स्थायी रोजगार का अवसर मिलता। फिर उन्हें मुफ्त मांगने की जरूरत ही नहीं होती। विडंबना यह है कि हमारे परिवार-समाज की धुरी मानी जाने वाली महिलाओं को प्रलोभन देने का खेल राष्ट्रीय स्तर पर शुरू हो गया है। पहले ये शुरुआत मध्यप्रदेश से हुई। फिर महाराष्ट्र में बहनों के लिये आर्थिक प्रोत्साहन राशि गेम चेंजर साबित हुई। अब वही कवायद दिल्ली के विधानसभा चुनाव में देखी जा रही है। दिल्ली की आप सरकार ने पहले मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के तहत एक हजार रुपये की राशि पात्र महिलाओं को बांटी। अबकी बार आप ने यह राशि बढ़ाकर 2,100 करने की घोषणा की है। इसी तर्ज पर भाजपा महिला समृद्धि योजना लेकर आई है, जिसके तहत पात्र महिलाओं को 2,500 रुपये सत्ता में आने पर दिये जाने का वायदा है। इस मुफ्त के खेल में अब कांग्रेस भी उतर गई है, जिसने सभी पात्र महिलाओं को 2,500 मासिक देने की घोषणा की है। भाजपा व कांग्रेस को लगता है कि आप की मुफ्त की राजनीति को मुफ्त के दांव से ही शिकस्त दी जा सकती है। निस्संदेह, हमारी आधी दुनिया की अर्थव्यवस्था में वह भूमिका तय नहीं हो पायी, जो 21वीं सदी में होनी चाहिए थी।

पर्यटन की अनंत संभावनाओं का देश है भारत

(लेखक- - ललित गर्ग)

(राष्ट्रीय पर्यटन दिवस- 25 जनवरी, 2024 पर विशेष)

जीवन में पर्यटन के सर्वाधिक महत्व के कारण ही हर साल 25 जनवरी को भारतीय पर्यटन दिवस मनाया जाता है। भारत की विविधता और बहुसंस्कृतिवाद के कारण, यह दिन देश की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव, जीवन में खुशियां एवं मुस्कान देने वाले पर्यटन के महत्व को उजागर करने के लिए है। इस दिवस की शुरुआत 1948 के बाद आर्थिक विकास और सांस्कृतिक कूटनीति को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने की पहल से हुई। 卐अतुल्य भारत卐 जैसे आयोजनों को बढ़ावा दिया गया है ताकि वैश्विक स्तर पर भारतीय विरासत, पर्यटन सुंदरता एवं समृद्धता को प्रदर्शित किया जा सके। बदलते समय के साथ राष्ट्रीय पर्यटन दिवस नई पहलों, नीतिगत सुधारों और क्षेत्र की उपलब्धियों का जश्न मनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले दिन के रूप में विकसित हुआ है। राष्ट्रीय पर्यटन दिवस 2025 की थीम 'समावेशी विकास के लिए पर्यटन' है, जो आर्थिक विकास को प्रेरित करने में पर्यटन के महत्व पर प्रकाश डालता है, साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि इसका लाभ भारत में समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे। इसका उद्देश्य रोजगार सृजन और पर्यटन परम्पराओं को बढ़ावा देने, विविध भारतीय सांस्कृतिक विरासत और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देकर स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना है।

भारत विश्व स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा यात्रा और पर्यटन बाजार बनने के लिए तैयार है। भारत में पर्यटन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाजार बनने की उम्मीद है। 2023 में, भारत में पर्यटन पर होने वाला खर्च 2019 के 127 बिलियन डॉलर से बढ़कर 174 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। सबसे ज्यादा पर्यटक तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित 5 राज्यों में गए, जहाँ कुल मिलाकर 65 प्रतिशत पर्यटक आए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से धार्मिक पर्यटन को नये पंख लगे हैं, अयोध्या में बना भगवान श्रीराम का मन्दिर एवं इनदिनों प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ ने धार्मिक पर्यटन के नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। धार्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऐसी सभी जगहों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं, सड़क और एयर कनेक्टिविटी, आने वालों की सुरक्षा और सेवा दी जा रही है। धार्मिक पर्यटन से देश की संस्कृति को बढ़ावा मिलता है और लोगों में आस्था बढ़ती है, साथ ही, इससे अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलता है।

उत्तर प्रदेश देश ही नहीं दुनिया का सर्वाधिक महत्वपूर्ण धार्मिक पर्यटन प्रांत है। देश और दुनिया के हर हिंदू के आस्था के केंद्र भगवान श्रीराम की अयोध्या, राधा-श्रीकृष्ण ने जिस ब्रज भूमि पर रास रचाए थे, श्रीकृष्ण ग्वालबालों के साथ जहां खेले-कूदे, गोपियों के माखन चुराए वह मथुरा, बरसाना, नंदगांव, गोवर्धन भी उत्तर प्रदेश में ही है। वनवास के दौरान भगवान श्रीराम ने पत्नी सीता और अनुज लक्ष्मण के साथ जहां सर्वाधिक समय गुजारा था वह चित्रकूट भी उत्तर प्रदेश में है। इसके अलावा भी प्रदेश के हर जिले या यूं कह लें हर विधानसभा क्षेत्र में ऐसे धार्मिक स्थल हैं जहां प्रतिदिन हजारों लोग जाते हैं। विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन प्रयागराज का महाकुंभ तो इसका चरमोत्कर्ष है। इस चरम के सुखद, सुरक्षित और सफल समापन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद कटिबद्ध हैं। अयोध्या सप्तपुरियों जैसी हो गयी है, इसी क्रम में भोलेनाथ की काशी में श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण के बाद वहां सालाना आने वाले पर्यटकों की संख्या 10 करोड़ के करीब हो गई है।

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस का महत्व बेहद सीधा और सरल है - देश में पर्यटन की प्रमुखता को उजागर करना और यह भारत की आर्थिक संभावनाओं को प्रभावित करता है। पर्यटन सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को वापस लाने में ही मदद नहीं कर रहा है बल्कि यह देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी बन रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है। भारतीय पर्यटन दिवस वैश्विक पर्यटक को बढ़ावा देने के प्रयास हेतु मील के पत्थर के रूप में देखा जाता है एवं इस दिवस को मनाने का उद्देश्य विश्व में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सामाजिक विरासत को जीवंतता देना एवं उसके प्रति जन जागरूकता फैलाना है। देश की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। आज भारत जैसे देशों को देखकर ही विश्व के लगभग सभी देशों में पुरानी और ऐतिहासिक इमारतों का संरक्षण, संवर्द्धन किया जाने लगा है।

भारत असंख्य पर्यटन अनुभवों और मोहक स्थलों का देश है। चाहे भव्य स्मारक हों, प्राचीन मंदिर या मकबरे हों, नदी-झरने, प्राकृतिक मनोरम स्थल हो, इसके चमकीले रंगों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रौद्योगिकी से चलने वाले इसके वर्तमान से अटूट संबंध है। केरल, शिमला, गोवा, आगरा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, मथुरा, काशी जैसी जगहें तो अपने विदेशी पर्यटकों के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। हालही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या एवं काशी की कायाकल्प करके दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। भारत में अपने लोगों के साथ लाखों विदेशी लोग प्रतिवर्ष भारत घूमने आते हैं। भारत में पर्यटन की उपयुक्त क्षमता है। यहां सभी प्रकार के पर्यटकों को चाहे वे साहसिक यात्रा पर हों, सांस्कृतिक यात्रा पर या वह तीर्थयात्रा करने आए हों या खूबसूरत समुद्री-तटों की यात्रा पर निकले हों, सबके लिए खूबसूरत जगहें हैं। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में तो लोगों को घूमते-घूमते महीना बीत जाते हैं।

(चिंतन-मनन)

जीवन निर्भरता और आत्म -निर्भरता का संयोग है

जीवन में सम्पूर्ण आत्म निर्भरता जैसा कुछ नहीं है। इसे भूल जाओ। यदि आप सोचते हो कि मैं पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर हो जाऊं तो ऐसा नहीं होगा। 15, 16 या 17 साल की आयु तक आप आत्मनिर्भर नहीं थे। आप आश्रित ही पैदा हुए थे। आप अपने आप उठ भी नहीं सकते थे, और कोई और आपको उठाता था। कोई आपके डायपर बदलता था। कोई आपको नहलाता था। कोई खिलाता था। कोई सुलाता था। आप एक आश्रित ही पैदा हुए थे और अंत में भी आश्रित ही रहोगे। जब आपकी मृत्यु हो जाती है तो आप अपने शरीर को अपने आप नहीं जला या दफना सकते। जब आप बीमार होते हो किसी को आपका ध्यान रखना होता है। आप अपने डाक्टर नहीं बन सकते। 50-60 वर्ष की आयु के बाद यह बिलकुल स्पष्ट हो जाता है कि आप किसी पर निभर होते हो। किसी हद तक आप नहीं कह सकते कि, मैं पूरी तरह से आत्म निर्भर हूँ। आपको किसी ना किसी की सहायता लेनी ही पड़ती है। अच्छा, फिर यह भी धारणा है कि आप पैसे से आत्मनिर्भर बनते हो। हमें अपनी ज़रुरत पूरा करने के लिए कुछ पैसा चाहिए, पर मान लो कोई भी आपके लिए कार्य करना न चाहे, तो आपका क्या होगा? आपकी धारणा गलत है कि पैसा आपको आत्मनिर्भर बनाता है। पर इसके साथ साथ आप अपने आप को आत्मनिर्भर मान सकते हो, आप अपने कार्यों के लिए स्वतंत्र हो, आप अपनी भावनायों को नियंत्रित करने के लिए मुक्त हो, यदि आप अच्छा महसूस करना चाहते हो तो यह आपके अपने हाथ में हैं। यदि आप अच्छा महसूस नहीं करना चाहते तो यह भी आपके अपने हाथों में हैं।

आपको अष्टवक्र गीता सुननी चाहिए। जीवन निर्भरता और आत्म -निर्भरता का संयोग है। यदि आप दयालु होना चाहते हो, तो आपको पूरी स्वतंत्रता है ऐसा बनने की। यदि आप चाहते हो आपका शिष्टाचार अच्छा हो,आप मीठे बोल बोलो तो यह पूर्ण रूप से आपके उपर निर्भर करता है। आप सोच सकते हो वित्तीय रूप से आप स्वतंत्र हो परन्तु मैं आपको बता देना चाहूँगा यदि आप अपने मित्रों, परिवारजनों यां और भी किसी के अपमानजनक शब्द सहन कर लेते हो तो आप स्वतंत्र हो। यदि आपको कोई दोष देता है और आपके लिए बुरा भला कहता है, आप इसे किस तरह से लेते हो यही निर्धारित करता है कि आप कितने स्वतंत्र हो। यदि आप वास्तव में मुक्त हो तो कोई भी आपको परेशान नहीं कर सकता। आप उत्साह से, द्रष्टा बन कर और मुस्कान के साथ आगे बढ़ सकते हो।

विचार मंथन

बढ़ता कर्ज : भारत का आर्थिक संकट, बजट आम या खास के लिए?

(लेखक- सनत जैन)

भारत की आर्थिक स्थिति आज गंभीर चिंताओं के घेरे में है। विदेशी कर्ज 7,11,800 मिलियन डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है। सरकारी कर्ज का अनुपात जीडीपी का 83.1प्रतिशत हो गया है। डॉलर के मुकाबले रुपए का गिरना, आयात और निर्यात का बढता असंतुलन देश के वित्तीय प्रबंधन के संकट को उजागर कर रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए चिंता को बढा रहे हैं। आर्थिक सुधार की दिशा में अभी भारत को लंबा सफर तय करना होगा। सरकार जो दावे कर रही है, उससे विपरीत आर्थिक स्थिति वर्तमान में है। 2014 तक भारत पर 54 लाख करोड़ रुपये का कर्ज था। पिछले एक दशक में कर्ज चार गुना बढ़ गया है। सरकारी योजनाओं और सरकारी खर्च की पूर्ति के लिए सरकार लगातार उधार ले रही है। सरकार खर्च को पूरा करने के लिए जनता पर टैक्स का बोझ साल दर साल बढ़ा रही है। जीएसटी ने गरीब और मध्यम वर्ग की परेशानियों को बढ़ा दिया है। हर वस्तु और सेवा पर टैक्स लगाने की नीति ने लोगों के खर्च को बढ़ा दिया है। वह अपनी रोजाना की ज़रूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहे हैं। बचत के स्थान पर गरीब और मध्यम वर्ग कर्ज का शिकार होता चला जा रहा है। महंगाई और बेरोजगारी देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर कर रही हैं। 45 वर्षों की सबसे ऊंची बेरोजगारी दर और गोल्ड लोन की बढ़ती मांग मध्य वर्ग के आर्थिक हालात को दिखा रही है। आम लोग आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। नोटबंदी और जीएसटी की नीतियों ने देश की आर्थिक संरचना को भारी नुकसान पहुंचाया है।

2025 के बजट से जनता को बड़ी उम्मीदें हैं। सस्ती आवासीय योजनाएं, रोजगार के अवसर, शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार, बजट की प्राथमिकता में होना चाहिए। क्या आगामी बजट इन उम्मीदों पर खरा उतर पाएगा? इसके संकेत आर्थिक सर्वेक्षण में सम्भव हैं। पिछले बजट का अनुभव कागजों में ही सीमित है। देश को एक ऐसी दूरदर्शी नीति की आवश्यकता है, जो चुनावी लक्ष्यों तक सीमित होकर ना रह जाये। सरकार को जनता के दीर्घकालिक हितों की रक्षा करने बजट को तैयार करना होगा। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में आर्थिक स्थिरता थी। वैसा ही दृष्टिकोण वर्तमान सरकार को अपनाना होगा। सही मायने में अर्थ विशेषज्ञ सरकार के बजट को तैयार नहीं कर रहे हैं। कारपोरेट जगत अपने फायदे के लिए अपने ही आदमियों से बजट को तैयार करवा रहा है। सरकार को उन्हीं के ऊपर विश्वास है, या सरकार की मजबूरी है। चिंता की यह सबसे बड़ी बात है। सरकार ने बजट तैयार करने वाले वित्तीय विशेषज्ञों को हटाकर उनके स्थान पर कॉरपोरेट जगत के लोगों को बजट बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। सरकार को चाहिए आर्थिक सुधारों में पारदर्शिता लाएं। सरकार वित्तीय पारदर्शिता को बढ़ाने और जिम्मेदारी तय करने का काम प्राथमिक्ता से करे। इस तरह के ठोस कदम उठाए, जो कर्ज के बोझ को कम करें। जनता को करों से राहत मिले। देश की श्रमशक्ति को प्रोत्साहित करने, बचत को बढ़ावा देने, गरीब मध्यम वर्ग और बुजुर्गों की सामाजिक सुरक्षा पर ध्यान देना बजट की सर्वोच्च प्राथमिकता में होना चाहिए। विकास और दिखावे के नाम पर जो अनाप-शनाप सरकारी खर्च किया जा रहा है, उस पर सरकार को कटौती करनी चाहिए। सरकारी खजाने का उपयोग महंगाई और बेरोजगारी को कम करने के लिए किया जाना चाहिए। भारत को आर्थिक संकट से उबारने का यही एकमात्र रास्ता हो सकता है। सरकार को वर्तमान की आर्थिक चुनौतियों के सत्य को स्वीकार करते हुए जनता को उससे अवगत कराना होगा। अच्छे दिन और विकास के नाम पर जो झूठे सपने दिखाए गए हैं।

उससे सरकार को अब बचना होगा। तभी सरकार आर्थिक संकट से निपट पाएगी। आम आदमी को महंगाई और बेरोजगारी से राहत मिले। सरकार 2025 का बजट इस प्राथमिकता के साथ तैयार करे। इसके लिए अर्थ-शास्त्रियों की मदद ले। ब्यूरोक्रेट सरकार की मुसीबत बढ़ाने का काम करेंगे।

क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में फंसी पेटीएम, ईडी की जांच के घेरे में आई

मुंबई । डिजिटल भुगतान की दिग्गज कंपनी पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस` क्रिप्टाकरेंसी घोटाला मामले में ईडी की जांच के घेरे में आ गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच के दायरे में आने की खबर के बाद पेटीएम का स्टॉक भारी गिरावट के साथ ट्रेड कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार पेटीएम उन आठ पेमेंट गेटवे कंपनियों में शामिल है, जिनके खिलाफ ईडी ने जांच शुरू की है। इन कंपनियों के वर्चुअल अकाउंट्स में करीब 500 करोड़ रुपए की राशि को ईडी ने फ्रीज कर दिया है। यह कार्रवाई चीनी नागरिकों द्वारा चलाए जा रहे कथित क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में इन कंपनियों की संभावित संलिप्तता के चलते की गई है। आरोप है कि चीन के इन नागरिकों ने एचपीजेड टोकन ऐप के जरिए 20 राज्यों में हजारों लोगों को झांसे में लेकर 2200 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि जुटाई। ईडी ने इस घोटाले में पेटीएम समेत अन्य कंपनियों की भूमिका की जांच शुरू की है। इस खबर के बाद पेटीएम का स्टॉक शुक्रवार को 849.95 रुपए पर खुलने के बाद लगभग 9 फीसदी गिरकर 773.05 रुपए के निचले स्तर पर पहुंच गया।

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स को मिले 2,038 करोड़ के ठेके

नई दिल्ली । कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) ने अपनी अंतरराष्ट्रीय अनुषंगी कंपनियों के साथ मिलकर 2,038 करोड़ रुपये के नए ठेके हासिल करने की शुक्रवार को जानकारी दी। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार नए ठेके भारत और विदेशी बाजारों में पारेषण एवं वितरण कारोबार के साथ-साथ भारत में निर्माण परियोजनाओं में हैं। केपीआईएल के एक अे धिकारी ने कहा कि इन नए ठेकों के साथ हमारे ठेके वार्षिक आधार पर 19,361 करोड़ रुपये तक पहुंच गए है, जो व्यापार दृश्यता में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। केपीआईएल सबसे बड़ी विशेषीकृत ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण) कंपनियों में से एक है। यह वर्तमान में 30 से अधिक देशों में परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है। वैश्विक स्तर पर 75 देशों में इसकी उपस्थिति है।

अरविंद स्मार्टस्पेसेज ने टाउनशिप बनाने के लिए किया संयुक्त विकास समझौता

- 92 एकड़ की टाउनशिप विकसित करेगा, 1,500 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य

ARVIND SMARTSPACES

नई दिल्ली । भूमि विकास के क्षेत्र में अपनी अद्वितीय पहचान बनाने वाली अरविंद स्मार्टस्पेसेज लिमिटेड ने शुक्रवार को 92 एकड़ में टाउनशिप बनाने के लिए संयुक्त विकास समझौता किया है। इस गृहप्रशासन निर्माण परियोजना से उन्हें 1,500 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल होने की उम्मीद है। अरविंद स्मार्टस्पेसेज के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इस महत्वपूर्ण समझौते पर विचार किया है। उन्होंने कहा कि हमें मुंबई रियल एस्टेट बाजार में प्रवेश की इस अद्भुत संभावना के लिए बहुत खुशी है। यह हमारी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अहम समझौते के तहत टाउनशिप के निर्माण के लिए सच डेवलपर्स के साथ साझेदारी की जा रही है। इस ताजी भूमि विकास योजना का कुल अनुमानित क्षेत्रफल 92 एकड़ है और इससे कुल 1,500 करोड़ रुपये की आय होने की उम्मीद है। यह सहायक संयुक्त विकास मॉडल के तहत योजनाबद्ध है, जो 70.5 प्रतिशत राजस्व हिस्सेदारी को शामिल करता है। अरविंद स्मार्टस्पेसेज 2008 में स्थापित हुई अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर कंपनी में से एक है, जिसने भारतीय निवेशदाताओं के लिए नए अवसरों का संवाहन किया है।

होम सिक्योरिटी सॉल्यूशन में 53 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने उन्नत तकनीक को प्राथमिकता दी

- वर्ष 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा डोमेस्टिक ट्रैवल मार्केट बनने की संभावना

नईदिल्ली ।

जब राष्ट्रीय पर्यटन दिवस नजदीक आ रहा है, तो गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय ने एक हैप्पीनेस सर्वे आयोजित किया जिसमें प्राप्त हुए नतीजे दिखा रहे हैं कि 53 फीसदी ग्राहक आधुनिक होम सिक्योरिटी सॉल्यूशन में उन्नत तकनीक को प्राथमिकता दे रही हैं। यह सर्वे दर्शाता है कि सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट और अभिनव उपायों की मांग तेजी से बढ़ रही है। पर्यटन के अमूल्य योगदान की बात करते हुए, राष्ट्रीय पर्यटन दिवस ने भी दर्शाया है कि भारत का पर्यटन उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है और वर्ष 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा डोमेस्टिक ट्रैवल मार्केट बनने की संभावना है। केवल 2024 में ही इस क्षेत्र ने विदेशी मुद्रा में 25,010 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व उत्पन्न किया है। इस उन्नति के साथ, यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं भी बढ़ रही हैं। एक अलग सर्वे में पाया गया है कि 50 फीसदी गृहस्वामी उपयोग में आसानी को प्राथमिकता देते हैं, जबकि 44 फीसदी घर के मालिक मानते हैं कि विश्वसनीयता ही सबसे महत्वपूर्ण है। इससे स्पष्ट है कि लोग सुरक्षा में उन्नति की मांग कर रहे हैं और समाधानों की खोज में हैं जो उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करने में मदद करें। इस परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि सुरक्षा समाधानों की उच्च मांग ने उन्हें ग्राहकों के लिए उत्कृष्ट समाधान उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने गोदरेज की प्रतिबद्धता और योजना की महत्वपूर्णता को भी जाहिर किया कि लोगों को सुरक्षित रखने में मदद करना हमारी प्राथमिकता है।

जीएसटी टैक्स: छोटे आय वाले मिस्त्री को 1.96 करोड़ का टैक्स नोटिस

- सुनील के नाम पर 11 कंपनियां हो रही हैं संचालित

अहमदाबाद ।

गुजरात के पाटन जिले से जीएसटी से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। अहमदाबाद में मिस्त्री का काम करने वाले सुनील सथवारा को बेंगलुरु जीएसटी विभाग से 1.96 करोड़ रुपये का टैक्स नोटिस मिला। महज 16-17 हजार रुपये की मासिक आय से परिवार चलाने वाले सुनील के लिए यह नोटिस किसी बड़े सदमे से कम नहीं था। जांच में यह खुलासा हुआ कि सुनील के नाम पर 11 कंपनियां संचालित हो रही हैं, जो देश के अलग-अलग राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और अंडमान निकोबार में पंजीकृत हैं। यह भी पाया गया कि इन कंपनियों के पंजीकरण के लिए सुनील के नकली आधार और पैन कार्ड का उपयोग किया गया था। टैक्स नोटिस मिलने के बाद सुनील ने वकील से संपर्क किया और दस्तावेजों की जांच कराई। फर्जी दस्तावेजों के उपयोग का पता चलने पर उन्होंने गृह विभाग और क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई। सुनील का कहना है कि उनके दस्तावेजों का दुरुपयोग कर यह रैकेट संचालित किया गया है। मामले की जांच गांधीनगर सीआईडी क्राइम के हवाले की गई है। जांच के बाद यह स्पष्ट होगा कि यह रैकेट किसने चलाया, असली आरोपी कौन है और उसका मकसद क्या था। यह घटना आधार और पैन कार्ड से जुड़ी सुरक्षा खामियों और फर्जीवाड़े को उजागर करती है। संबंधित विभागों से अपील की जा रही है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कठोर कदम उठाए जाएं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आयी है। इसके साथ ही देसी कंपनियों के दिसंबर तिमाही परिणामों को लेकर चिंता की वजह से भी दोनों प्रमुख इंडेक्स लगातार नीचे आये हैं। इसके साथ ही एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे दिग्गज कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली ने भी बाजार टूटा है।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसक्स सेंसेक्स 329.92 अंक करीब 0.43 फीसदी की गिरावट के साथ ही 76,190.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी आज उतार-चढ़ाव के बाद अंत में 113.15 अंक तकरीबन 0.49 फीसदी नीचे आकर 23,092 पर बंद हुआ।

जानकारों के अनुसार आज बाजार में गिरावट का कारण विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला जारी रहने से आया है। इसके अलावा। विदेशी निवेशकों ने घरेलू बाजारों से 5,462 करोड़ रुपये की इक्विटी बेचीं। जिससे भी बाजार नीचे आया है।

इसके साथ ही देसी कंपनियों के दिसंबर तिमाही के परिणामों के उम्मीद से कम रहने की वजह से बाजार सेंटीमेंट प्रभावित हुआ है। इसकी वजह से दोनों प्रमुख इंडेक्स लगातार तीसरी बार गिरावट पर बंद हुए। एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे हैवीवेट शेयरों में मुनाफावसूली से भी बाजार फिसला है।

वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार तीसरे कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ खुले। एशिया बाजार शुक्रवार सुबह तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं, जो वॉल स्ट्रीट की मजबूती का असर है। कामकाज शुरू होने पर बीएसई का प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 33.14 अंक उछलकर 76,553.52 अंक पर खुला। वहीं निफ्टी ने भी 7.80 अंक बढ़कर 23,213.15 अंक पर अपने कारोबार की शुरुआत की। वहीं एशिया बाजार में शुक्रवार को तेजी देखने को मिल रही है। अमेरिकी बाजारों में एसएंडपी 500 ने 0.53 फीसदी की बढ़त के साथ 6,118.71 पर बंद होकर लगातार दूसरे सत्र में ऑल-टाइम हाई बनाया। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.92 फीसदी बढ़कर 44,565.07 पर पहुंच गया, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.22 फीसदी बढ़कर 20,053.68 पर बंद हुआ।

2025 की शुरुआत में मिड और स्मॉलकैप स्टॉक्स का बुरा हाल

नई दिल्ली ।

2025 की पहली तिमाही ने मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स के लिए कमर कस ली है। इन इंडेक्स ने अब तक बेंचमार्क निफ्टी 50 से कमजोर प्रदर्शन किया है। मिडकैप 150 इंडेक्स ने 2025 में करीब 7 फीसदी की गिरावट दर्ज की है, जबकि स्मॉलकैप 250 इंडेक्स करीब 9 फीसदी गिर चुका है। निफ्टी 50 इंडेक्स भी इसी अवधि में लगभग 2 फीसदी कमजोर हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार में दो अहम ट्रेंड्स नजर आ रहे हैं। पहला ट्रेंड है संस्थागत गतिविधियां, जहां फरेन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स बिकवाली कर रहे हैं और डोमेस्टिक इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स खरीदारी कर रहे हैं। दूसरा ट्रेंड है क्वालिटी की ओर रुझान, जहां लार्जकैप स्टॉक्स मजबूत हैं जबकि ब्रॉडर मार्केट कमजोर हो रहा है। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हालिया गिरावट ने लंबे समय की तेजी को ठहराया है। एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि इनके वैल्यूएशन महंगे हो चुके हैं और आगे भी सुधार की संभावना कम है। इसके बजाय, लार्जकैप शेयरों पर ध्यान देने की सलाह दी जा रही है।

अमेजन वेब सर्विसेज भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाने महाराष्ट्र में करेगी निवेश

मुंबई ।

अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) ने भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र में 8.3 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना की घोषणा की। अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) ने भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र में एडब्ल्यूएस एशिया-प्रशांत (मुंबई) क्षेत्र में क्लाउड बुनियादी ढांचे में 8.3 अरब अमेरिकी डॉलर याने करीब 72 हजार करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना की घोषणा की है। यह निवेश एडब्ल्यूएस के 2030 तक भारत के लिए 12.7 अरब अमेरिकी डॉलर याने 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये के बड़े नियोजित निवेश का हिस्सा है, जिसकी घोषणा मई 2023 में की गई थी। अमेजन की क्लाउड कंप्यूटिंग इकाई ने कहा कि एडब्ल्यूएस ने भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमता का और विस्तार करने के लिए महाराष्ट्र में एडब्ल्यूएस एशिया-प्रशांत (मुंबई) क्षेत्र में क्लाउड के बुनियादी ढांचे में 8.3 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की अपनी योजना की घोषणा की। अनुमान है कि इस निवेश से भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 15.3 अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान होगा। स्थानीय डेटा सेंटर आपूर्ति श्रृंखला में 2030 तक सालाना 81,300 से अधिक पूर्णकालिक नौकरियां सृजित होंगी। एडब्ल्यूएस ने 2016 से 2019 के बीच महाराष्ट्र में क्लाउड के बुनियादी ढांचे में 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश किया है। महाराष्ट्र सरकार और एडब्ल्यूएस ने निवेश योजना को औपचारिक रूप देने के लिए दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा, 'जैसा कि हम डेटा सेंटर के लिए वैश्विक राजधानी बनने के अपने दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहे हैं। यह सहयोग न केवल हमारे राज्य के प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा, बल्कि नवाचार, आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन के नए अवसर भी उत्पन्न करेगा।

पतंजलि की लाल मिर्च फिर शक के दायरे में

- फूड अथॉरिटी ने पूरा बैच वापस मंगाया

नई दिल्ली । पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने कहा कि खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने कंपनी को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने को लेकर एक विशेष बैच की पैक की गई लाल मिर्च पाउडर को वापस मंगाने का निर्देश दिया है। कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने इस संबंध में 13 जनवरी को एक आदेश जारी किया था। कंपनी ने कहा, खाद्य सुरक्षा नियामक ने पतंजलि फूड्स को निर्देश दिया है कि वह पूरे बैच (बैच नंबर - एजेडी2400012) की पैक की गई लाल मिर्च पाउडर को वापस मंगाए, क्योंकि यह खाद्य सुरक्षा और मानक विनियम, 2011 का पालन नहीं करता है। 1986 में स्थापित बाबा रामदेव के नेतृत्व वाली पतंजलि आयुर्वेद समूह की कंपनी, पतंजलि फूड्स (पूर्व में रुचि सोया) भारत की शीर्ष एफएमसीजी कंपनियों में से एक है। कंपनी खाद्य तेल, खाद्य और एफएमसीजी और पवन ऊर्जा उत्पादन क्षेत्रों में सक्रिय है। यह पतंजलि, रुचि गोल्ड, न्यूट्रेला आदि ब्रांडों के तहत उत्पाद बेचती है।

स्मार्टफोन निर्यात में भारत दूसरे स्थान पर, पीएलआई स्कीम का असर

- चार साल पहले 14वें स्थान पर था

नई दिल्ली ।

प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के अद्भुत प्रभाव के बाद भारत ने स्मार्टफोन निर्यात में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। केंद्रीय रेलवे और इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अब स्मार्टफोन देश के निर्यात के मामले में दूसरे स्थान पर है। यह चार साल पहले 14वें स्थान पर था, जो स्कीम के फलस्वरूप हुआ है। वैष्णव ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से इसकी सराहना की और कहा कि पीएलआई स्कीम ने भारत की प्रतिस्पर्धा क्षमता में इजाफा किया है। इसके साथ ही, इस स्कीम से सम्बंधित इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। देश में इकोसिस्टम की तेजी से विकास की ओर कदम बढ़ रहा है और यह सेक्टर विश्वस्तरीय उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार है। स्मार्टफोन के साथ-साथ भारत के टॉप-5 निर्यातों में मोटर वाहन डीजल इंधन, विमानन ईंधन, हीरे और मोटर गैसोलीन शामिल हैं। सरकार ने पीएलआई स्कीम के तहत कंपनियों को वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में 1,600 करोड़ रुपये का इंसेंटिव प्रदान किया है, जिसमें से बड़े स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कर रही कंपनियों को 964 करोड़ रुपये मिले हैं। देश के इलेक्ट्रॉनिक निर्यात में वृद्धि के बाद आशा है कि सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स के शुरू होने से और भी उत्साह भरी गति से इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में तेजी आएगी।

ओला और उबर को सीसीपीए ने जारी किया नोटिस

एक ही जगह के लिए एंड्रायड और आईओएस पर अलग-अलग किराया दिखाने का मामला

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने ओला और उबर जैसी कैब एग्रीगेटर कंपनियों के लिए एंड्रायड और आईओएस प्लेटफ़ार्म पर अलग-अलग किराया दिखाने पर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने नोटिस जारी किया। ग्राहकों के मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम के आधार पर मूल्य निर्धारण करने को लेकर स्पष्टीकरण की मांग की गई है। प्राधिकरण ने इस प्रैक्टिस को स्पष्ट रूप से अलग-अलग मूल्य निर्धारण के रूप में वर्णित किया है और उद्यमों से संभावित भेदभाव को हटाने की गुहार दी है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने इस निर्देश के माध्यम से सभी स्थितियों में उपयुक्त और सरल समाधान की दिशा में कदम उठाने की आशा व्यक्त की है। केंद्र सरकार ने कैब एग्रिगेटर ओला और उबर से एंड्रायड और आईओएस पर एक ही जगह के लिए अलग-अलग किराया दिखाए जाने को लेकर नोटिस जारी किया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने सवारी बुक करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले मोबाइल डिवाइस के आधार पर कथित रूप से अलग-अलग मूल्य निर्धारण की रिपोर्ट पर स्पष्टीकरण मांगा है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की ओर से यह कार्रवाई उन रिपोर्टों के बाद की गई है, जिनमें कहा गया था कि ओला और उबर एक ही जगह के लिए अलग-अलग किराया वसूलते हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि यूजर आईफोन से बुक कर रहा है या एंड्रॉइड डिवाइस से बुकिंग कर रहा है। सीसीपीए ने दोनों कंपनियों से अपने मूल्य निर्धारण के तरीकों को स्पष्ट करने और संभावित भेदभाव की चिंताओं को दूर करने के लिए कहा है।

ट्राई के आदेश का असर, जिओ ने वॉयस और एसएमएस वाले प्रीपेड प्लान को उतारा

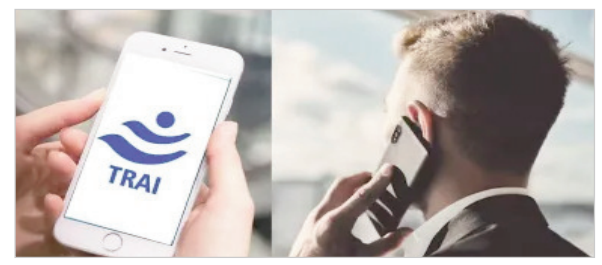

नई दिल्ली ।

एयरटेल की ओर से हाल ही में सस्ते प्लान लाए गए थे। अब इसी क्रम में जियो ने कदम आगे बढ़ाया है। जिओ ने वॉयस और एसएमएस वाले प्रीपेड प्लान को मार्केट में उतारा है। ट्राई की तरफ से टेलीकॉम कंपनियों को इसतरह प्लान लाने के लिए कहा गया था। ट्राई ने कहा था कि यूजर्स को स्पेशल टेरिफ वाउचर लाने चाहिए। इसतरह के प्लान में यूजर्स को वॉयस और एसएमएस बेनिफिट्स मिलने चाहिए।

जिओ ने 458 का प्लान लाया है। ये एंट्री लेवल प्लान है, इसमें यूजर्स को अनलिमिटेड वॉयस कॉल्स और 1 हजार एसएमएस की सुविधा दी जा रही है। इस प्लान की वैलिडिटी 84 दिनों की मिलती है। साथ में यूजर्स को सब्सक्रिप्शन बेनिफिट्स भी मिलते हैं। यानी यूजर्स अगर ये प्लान खरीदते हैं, तब साथ में उन्हें जियो टीवी, जियो सिनेमा और जियो क्लाउड मिलने वाला है। पहले ये प्लान 479 का आता था और इसमें वॉयस और एसएमएस के साथ 6जीबी डेटा दिया जाता था। अब प्लान को अपडेट करने के बाद 21 रुपए सस्ता कर दिया गया है, लेकिन इसमें डेटा बेनिफिट्स को भी हटाया गया है।

जिओ की तरफ से 1958 का प्लान भी लाया गया है। इसकी वैलिडिटी 365 दिनों की मिलती है। यूजर्स को प्लान में अनलिमिटेड वॉयस कॉल्स और 3,600 एसएमएस भी दिए जाते हैं। इसके साथ आपकों जियो एप का सब्सक्रिप्शन भी दिया जाएगा। इसमें जियो टीवी, जियो सिनेमा और जियो क्लाउड को भी शामिल किया गया है। वैल्यू ऑफरिंग के तहत ये प्लान जियो ने वेबसाइट पर लिस्ट किया है। इससे पहले जियो की तरफ से ये प्लान 1899 की कीमत में था। इसकी वैलिडिटी 336 दिनों की मिलती है। प्लान में अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग, 3600 एसएमएस, 6जीबी डेटा दिया जाता है। प्लान अपडेट करने के बाद जियो ने कीमत को 59 रुपए महंगा कर दिया है, लेकिन इसमें डेटा को हटाकर वैलिडिटी को 29 दिनों के लिए बढ़ा दिया है।

पेट्रोल-डीजल बिहार सहित कई राज्यों में हुआ सस्ता

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें जारी कर दी हैं। शुक्रवार को कई राज्यों में तेल के दाम नीचे दिख रहे। इसकी वजह ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट है। ब्रेंट क्रूड का भाव एक बार फिर 80 डॉलर से नीचे जाता दिख रहा है, जिसका असर घरेलू बाजार में खुदरा कीमतों पर भी दिखा. हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में आज पेट्रोल 18 पैसे सस्ता होकर 94.99 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 18 पैसे गिरा और 87.84 रुपये लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में भी पेट्रोल 35 पैसे सस्ता होकर 105.23 रुपये लीटर तो डीजल 33 पैसे गिरकर 02.09 रुपये लीटर बिक रहा है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पेट्रोल 19 पैसे चढ़कर 104.91 रुपये लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 17 पैसे महंगा होकर 90.21 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 78.29 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी उछाल के साथ 74.27 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। इन शहरों में बदल गए रेट- गुरुग्राम में पेट्रोल 94.99 रुपये और डीजल 87.84 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.23 रुपये और डीजल 92.09 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

जयपुर में पेट्रोल 104.91 रुपये और डीजल 90.21 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय टीम दूसरे टी20 में जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी

कोलकाता (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में भी अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले टी20 में अभिषेक शर्मा की शानदार बल्लेबाजी और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की घातक गेंदबाजी से जीत हासिल की थी। इससे वह पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है। अब अभिषेक इस मैच में भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। वहीं इस मैच में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अवसर मिलना भी तय माना जा रहा है। शमी पहले मैच में शामिल नहीं किये गये थे। भारतीय टीम निश्चित तौर पर शमी को मैदान पर उतारना चाहेगी हालांकि यह सब कुछ उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। शमी को अंतिम ग्याहर में जगह मिली तो स्पिनर रवि बिश्नोई को आराम दिया जा सकता है। बिश्नोई ने पहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 4 ओवर फेंके थे. इस दौरान 22 रन दिए थे. लेकिन एक भी विकेट नहीं ले पाए थे.

ईडन गार्डंस की पिच से तेज और स्पिन गेंदबाजों को पर्याप्त मदद मिल रही थी पर चेपक स्टेडियम की पिच से स्पिनरों को और अधिक सहायता मिलने की संभावना है। ऐसे हालातों में वरुण चक्रवर्ती के अलावा उप कप्तान अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई को भी अंतिम ग्याहर में जगह मिलन तय माना जा रहा है। दूसरी ओर इंग्लैंड की तरफ से अनुभवी स्पिनर आदिल रशीद और लियम लिविंगस्टोन भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने का प्रयास करेंगे।

अभिषेक और सैमसन ने पहले मैच में भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी और इस बार भी दोनों एक बार फिर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने के इरादे से उतरेंगे। सैमसन पहले मैच में लंबी पारी नहीं खेल पाए थे पर अभिषेक ने 34 गेंद पर 79 रनों की आक्रामक पारी खेल थी। सैमसन का लक्ष्य इस मैच में बड़ी पारी खेलना रहेगा। भारतीय टीम की बल्लेबाजी कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलाव नितीश रेड्डी और तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी।

दूसरी ओर इंग्लैंड के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने कहा कि उनकी टीम को सीरीज में वापसी करने के लिए आक्रामक खेल खेलते हुए भारतीयच टीम पर दबाव बनाये रखना होगा। ब्रूक ने दूसरे टी20 से पहले कहा, 'हम बिलकुल भी दबाव में नहीं हैं। भारत एक बहुत अच्छी टीम है इसलिए हम जानते थे कि वे हमें कड़ी टक्कर देंगे और हां, उन्होंने शानदार खेल दिखाया। हमें बस दबाव बनाए रखने की जरूरत है, वही संदेश जो कोच ब्रेंडन मैकुलम) हर समय देते रहे हैं। वहीं कप्तान जोस बटलर ने इससे पहले कहा था कि उनकी टीम को भारतीय हालातों में स्पिनरों का सामना करने के लिए नये तरीके तलाशने होंगे। ईडन गार्डन्स में जीत के बाद भारतीय टीम पांच मैच की सीरीज में अभी 1-0 से आगे चल रही है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेट कीपर), तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान), फिल साल्ट (विकेट कीपर), बेन डकेट, हैरी ब्रुक, लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बेथेल, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, मार्क वुड।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : नोवाक जोकोविच चोटिल, पहला सेट हारने के बाद सेमीफाइनल से हटे

मेलबर्न (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच चोटिल होने के कारण शुक्रवार को यहां अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल का पहला सेट हारने के बाद मैच से हट गए।

जोकोविच ने पहला सेट टाईब्रेकर में 7-6 (5) से गंवा दिया था। इसके बाद उन्होंने नेट के चारों ओर चक्कर लगाया और मैच से हटने का फैसला किया। इस तरह से ज्वेरेव फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। कार्लोस अल्कराज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान जोकोविच की पांव की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। उन्होंने प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया और उसके बाद कोर्ट से बाहर चले गए।

जोकोविच ने बाद में संवाददाता सम्मेलन में अपने पैर में दर्द का जिक्र करते हुए कहा, 'यह और भी बदतर होता जा रहा था। मैं अगर पहलाा सेट जीत भी लेता तब भी मेरे लिए आगे खेलना मुश्किल होता।' जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन में 11वां और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में थे। उनके और ज्वेरेव के बीच एकमात्र सेट एक घंटे 20 मिनट तक चला।

रणजी ट्रॉफी : रवींद्र जडेजा का कहर, सौराष्ट्र ने दिल्ली को 10 विकेट से हराया

राजकोट (एजेंसी)। रवींद्र जडेजा कुल (12 विकेट) की घतक गेंदबाजी और हार्विक देसाई (93) रनों की अर्धशतकीय पारी की बदौलत सौराष्ट्र ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी के मुकाबले में दूसरे दिन शुक्रवार को दिल्ली को 10 विकेट से हराया। सौराष्ट्र ने कल के पांच विकेट पर 163 के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। प्रेरक मांकड़ (19) छठे विकेट के रूप में आज आउट होने वाले सौराष्ट्र के पहले बल्लेबाज थे। इसके बाद समर गज्जर (11), धर्मेंद्रसिंह जडेजा (शून्य), जयदेव उनादकट (छह) और आखिरी विकेट के रूप में अर्पित वसावड़ा (62) रन बनाकर आउट हुए।

सौराष्ट्र ने अपनी पहली पारी में 271 रनों का स्कोर बनाते हुए पहली पारी के आधार पर 83 रनों की बढ़त बनाई। दिल्ली के लिए हर्ष त्यागी ने चार विकेट लिए। आयुष बढोनी को तीन विकेट मिले। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली को एक बार फिर रवींद्र जडेजा के कहर का सामना करना पड़ा। सौराष्ट्र के गेंदबाजी आक्रमण के दिल्ली की पूरी टीम 25.2 ओवर में 94 रन पर सिमट गई। दिल्ली के लिए कप्तान आयुष बदोनी सर्वाधिक (44) रनों की पारी खेली। ऋषभ पंत (17) और अर्पित राणा (12) रन बनाकर आउट हुए।

सौराष्ट्र की ओर से रवींद्र जडेजा ने 38 रन देकर 7 विकेट लिए। धर्मेंद्रसिंह जडेजा को दो विकेट मिले। युवराजसिंह डोडिया ने एक बल्लेबाज को आउट किया। सौराष्ट्र को जीत के लिए 11 रनों का लक्ष्य मिला। सौराष्ट्र ने दूसरी पारी में बिना कोई विकेट खोए 3.1 ओवर में 15 रन बनाकर मुकाबला 10 विकेट से जीत लिया। दिल्ली ने पहली पारी में 55 रन बनाए थे।

बुमराह, जडेजा और जायसवाल को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में जगह

दुबई (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह, अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को शुक्रवार को 2024 के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की साल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में जगह मिली। इंग्लैंड के चार खिलाड़ी भी इस टीम का हिस्सा हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस को कप्तान बनाया गया है। टीम में दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन सहित न्यूजीलैंड के दो खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।

आईसीसी की इस ऑल स्टार टीम में जगह बनाने वाले कमिंस एकमात्र ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर हैं। बुमराह ने 2024 में शानदार प्रदर्शन किया और प्रत्येक टीम तथा प्रत्येक उस बल्लेबाज पर दबदबा बनाया जिसे उन्होंने गेंदबाजी की। वह टेस्ट क्रिकेट में 20 से कम की औसत से कम से कम 200 विकेट चटकाने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बने और इतिहास में अपना नाम लिखवाया। बुमराह ने 2024 में 14.92 के औसत से 71 विकेट चटकाए और टेस्ट क्रिकेट में साल में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाज रहे।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 32 विकेट चटकाए लेकिन भारत को पांच मैच की श्रृंखला में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। बुमराह ने साल की शानदार शुरुआत करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ चार मैच में 19 विकेट चटकाए जिसमें विशाखापत्तम में मैच में नौ विकेट भी शामिल हैं। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ स्वदेश में दो मैच में 11 विकेट

हासिल किए।

बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर सिर्फ तीन विकेट चटका पाए और भारत को 0-3 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। इस तेज गेंदबाज ने हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। जडेजा ने 2024 में 29.27 के औसत से 527 रन बनाने के अलावा 24.29 के प्रभावी औसत से 48 विकेट भी चटकाए। जायसवाल ने स्वयं को शीर्ष टेस्ट सलामी बल्लेबाज के रूप में स्थापित किया और 2024 में भारतीय बल्लेबाजों के बीच शानदार प्रदर्शन किया।

दक्षिण अफ्रीका में चुनौतीपूर्ण श्रृंखला के बाद इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 712 रन बनाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में दो दोहरे शतक और तीन अर्धशतक जड़ते हुए दबदबा बनाया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में चार पारियों में तीन अर्धशतक जड़े। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में भारत को बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा लेकिन वह प्रभावी प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में जायसवाल ने पर्थ में पहली पारी में खाता खोलने में नाकाम रहने के बाद दूसरी पारी में 161 रन बनाकर भारत की बड़ी जीत में अहम भूमिका निभाई। वह 391 रन के साथ श्रृंखला में भारत के शीर्ष स्कोरर रहे। जायसाल ने कैलेंडर वर्ष में 54.74 के प्रभावी औसत से कुल 1478 रन बनाए। उनसे अधिक रन सिर्फ इंग्लैंड के जो रूट (2024 में 55.57 के औसत से 1556 रन) बना पाए। रूट को भी आईसीसी की ऑल स्टार टीम में जगह मिली है।

विलियमसन ने भी 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 59.58 के शानदार औसत से 1013 रन बनाए जिससे वह साल में सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में छठे स्थान पर रहे। श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस ने भी 74.92 के बेहद शानदार औसत के साथ 2024 में 1049 रन बनाते हुए टीम में जगह बनाई। कमिंस की अगुआई में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ श्रृंखला जीती। उन्होंने 2024 में 24.02 के औसत से 37 विकेट चटकाने के अलावा 23.53 के औसत से 306 रन भी बनाए।

आईसीसी की 2024 की साल की सर्वश्रेष्ठ टीम: पैट कमिंस (कप्तान) (ऑस्ट्रेलिया), यशस्वी जायसवाल (भारत), बेन डकेट (इंग्लैंड), केन विलियमसन (न्यूजीलैंड), जो रूट (इंग्लैंड), हैरी ब्रूक (इंग्लैंड), कामिंदु मेंडिस (श्रीलंका), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर) (इंग्लैंड), रविंद्र जडेजा (भारत), मैट हेनरी (न्यूजीलैंड) और जसप्रीत बुमराह (भारत)।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : ऑस्ट्रेलियाई वाइल्डकार्ड गैडेकी-पीयर्स ने जीता मिश्रित युगल खिताब

मेलबर्न। वाइल्ड कार्ड जोड़ी ओलिविया गैडेकी और जॉन पीयर्स ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मिश्रित युगल खिताब जीता। उन्होंने हमवतन किम्बर्ली बिरेल और जॉन-पैट्रिक स्मिथ को हराकर खिताब जीता। ऑस्ट्रेलियाई वाइल्डकार्ड ने रॉड लेवर एरिना में रोमांचित प्रशंसकों के सामने एक घंटे और 24 मिनट में हमवतन बिरेल और स्मिथ पर 3-6, 6-4 (10-6) से वापसी की। गैडेकी और पीयर्स को ग्रैंड स्लैम चैंपियन लेस्ली बोरे और बिल बोरे ने ट्रॉफी प्रदान की, और यह जीत पीयर्स के लिए दूसरा ऑस्ट्रेलियाई खिताब है, जिन्होंने 2017 में हेनरी कोंटिनेन के साथ पुरुष युगल खिताब जीता था। 36 वर्षीय पीयर्स, जिन्होंने मैथ्यू एबडेन के साथ पेरिस में ओलंपिक युगल स्वर्ण जीता था, ने स्टॉर्म सैंडर्स के साथ 2022 यूएस ओपन मिश्रित युगल खिताब और हेनरी कोंटिनेन के साथ 2017 ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल खिताब भी जीता। गैडेकी के लिए, मेलबर्न ट्रॉफी किसी प्रमुख टूर्नामेंट में उनकी पहली ट्रॉफी है। 22 वर्षीय गैडेकी और 36 वर्षीय पीयर्स ने 25 विजयी मुकाबलों में जीत हासिल की और 2013 के बाद से पहले ऑल-ऑस्ट्रेलियाई मिश्रित युगल ऑस्ट्रेलियाई चैंपियन बन गए, जब मैट एबडेन और जर्मिला गजदोसोवा ने ताज उठाया था। टूर्नामेंट के आंकड़ों के अनुसार, वे ओपन युग में यह उपलब्धि हासिल करने वाली चौथी ऑल-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी भी हैं, इससे पहले 2005 में एबडेन और गजदोसोवा, स्कॉट ड्रेपर और सामंथा स्टोसुर और 1992 में मार्क वुडफोर्ड और निकोल प्रोविस ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

अब ईशान किशन खोलेंगे क्रिकेट एकेडमी

पटना। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाल ईशान किशन भी अब क्रिकेट एकेडमी खोलने जा रहे हैं। ईशान से पहले इरफान और यूसुफ पठान के अलावा आकाशदीप सिंह ने भी अपनी क्रिकेट एकेडमी खोली थी। ईशान के एकेडमी खोलने से बिहार के क्रिकेट प्रेमी युवाओं को लाभ होगा। इससे उन्हें भारतीय टीम में रहे खिलाड़ियों की देखरेख में क्रिकेट सीखने का मौका मिलेगा। ईशान की एकेडमी का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और उम्मीद है कि फरवरी महीने में इसका उद्घाटन कर दिया जाएगा। ईशान ने अपनी एकेडमी का नाम द ईशान किशन एकेडमी रखा है। यह राजधानी पटना के एनर्जी पार्क के पास बन रही है। अनुमान है कि 15 फरवरी से पहले इसका उद्घाटन खुद ईशान करेंगे। फिलहाल एकेडमी में एडमिशन शुरू हो चुके हैं। एकेडमी में चार सीमेंटेड पिच और चार टर्फ एरिया बनाए जा रहे हैं। अभी इनमें कुछ बदलाव हो सकते हैं। इसके अलावा, ऊर्जा स्टेडियम की पिच का उपयोग भी प्रैक्टिस और मैच के लिए किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने इंग्लैंड को छह रन से हराया

कैनबरा, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की महिला टीम के बीच एशेज का आयोजन किया जा रहा है। जहां ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने दो मैच रहते महिला एशेज के खिताब को अपने नाम कर लिया है। पुरुषों और महिलाओं के एशेज में काफी ज्यादा अंतर होता है। जहां पुरुषों के बीच एशेज के लिए टेस्ट सीरीज का आयोजन किया जाता है। वहीं महिला एशेज के लिए तीन वनडे, तीन टी20 और एक टेस्ट मैच खेला जाता है। वनडे और टी20 मैच जीतने पर दो अंक और टेस्ट मैच जीतने पर चार अंक मिलते हैं। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने अंकों के आधार पर खिताब अपने नाम कर लिया है।

ऑस्ट्रेलिया ने कैनबरा के मनुका ओवल में दूसरे टी20ढ्ढ में इंग्लैंड को छह रन (ष्ठस्र) से हराकर महिला एशेज 2025 पर कब्जा कर लिया। एलिसा हीली की कप्तानी में मेजबान टीम ने वनडे सीरीज में इंग्लैंड को धूल चटाते

हुए 3-0 से सीरीज जीत ली। ङ्म20ढ्ढ में कुछ भी नहीं बदला क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में पहले मैच में आरामदायक जीत हासिल की, उसके बाद सीरीज के दूसरे गेम में भी शानदार जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने इस मुकाबले को 6 रन जीता।

दोनों टीमों के बीच खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले के बारे में बात करें तो, इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने टॉस जीता और उन्होंने कीपर-बल्लेबाज बेथ मूनी अच्छी लय में दिखीं, लेकिन 31 वर्षीय खिलाड़ी 31 गेंदों पर 44 रन बनाकर आउट हो गईं। कप्तान ताहलिया मैकग्राथ और ग्रेस हैरिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 71 रनों की शानदार साझेदारी की और ऑस्ट्रेलिया को 185 रन बनाने में मदद की। मैकग्राथ ने 35 गेंदों पर नाबाद 48 रन बनाए जबकि हैरिस ने 17 गेंदों पर 35* रन बनाए। मेहमान टीम ने बल्लेबाजी में अच्छी शुरुआत की, मैया बाउचियर और डेनी वायट-हॉज ने 46 रन की ओपनिंग साझेदारी की। बाउचियर के जाने के बाद वायट-हॉज ने पारी को संभाला और 40 गेंदों पर 52 रन बनाए। हीथर नाइट इस मुकाबले में काफी शानदार फॉर्म में दिखी। वह 19 गेंदों पर 43 रन बनाकर खेल रही थी। तब ही बारिश ने मैच में खलल डाला और मैच को रोक दिया गया। उस वक्त इंग्लैंड को जीते कि लिए 5 गेंदों पर 16 रनों की जरूरत थी, लेकिन बारिश के कारण मैच फिर से शुरू नहीं हो सका और इंग्लैंड को यह मैच डीएलएस के नियमों के अनुसार 6 रनों से गंवाना पड़ा।

स्वियाटेक को हराकर मैडिसन कीज ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में

मेलबर्न। अमेरिका की मैडिसन कीज ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में बृहस्पतिवार को यहां मैच प्वाइंट का बचाव करते हुए विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज पोलैंड की इगा स्वियातेका को शिकस्त दी। विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज 29 साल की कीज ने शुरुआती सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए 5-7, 6-1, 7-6 (10-8) से जीत दर्ज की। कीज के सामने शनिवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी एरिना सबालेंका की चुनौती होगी। बेलारूस की 26 साल की सबालेंका ने अपनी अच्छी सहेली और 11वीं वरीयता प्राप्त पाउला बडोसा को 6-4, 6-2 से हराकर लगातार तीसरी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन बनने की ओर कदम बढ़ाया। स्वियातेक को शिकस्त देने के बाद कीज कोर्ट पर बैठ गई और रैकेट नीचे रख अपने हाथों से सिर को पकड़ लिया। उन्होंने शायदा मैच में शानदार वापसी करने को 'काफी नाटकीय समापन' करार देते हुए कहा कि मैं अब भी यह समझने की कोशिश कर रही हूं कि मैंने यह सब कैसे किया। इस 19वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 5 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन को हराने को बड़ी सफलता करार देते हुए कहा कि मुझे ऐसा लगा जैसे मैं इसमें बने रहने के लिए संघर्ष कर रही हूं। यह बहुत ज्यादा उतार-चढाव से भरा मैच था। सबालेंका अगर इस बार भी चैंपियन बनती है तो फिर वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन के महिला एकल में मार्टिना हिंगिस के बाद खिताबी हैट्रिक बनाने वाली पहली खिलाड़ी बन जाएगी। हिंगिस ने 1997 से 1999 तक यह कारनामा किया था। सेरेना विलियम्स भी 2015 से 2017 तक 3 बार इसके फाइनल में पहुंची है लेकिन वह 2 बार चैंपियन बनी थी। फाइनल में जगह बनाने के बाद सबालेंका ने कहा कि मेरे रोंगटे खड़े हो रहे हैं। मुझे अपने आप पे गर्व है। मुझे अपनी टीम पर गर्व है कि हम खुद को ऐसी स्थिति में पहुंचाने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि अगर मैं खुद को इतिहास (किताबों) का हिस्सा बना पाऊं, तो यह मेरे लिए बहुत मायने रखने वाला होगा।

चिराग-सात्विक, लक्ष्य की हार के साथ भारत का इंडोनेशिया मास्टर्स में अभियान समाप्त

जकार्ता, । चिराग शेट्टी-सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और लक्ष्य सेन को गुरुवार को दूसरे दौर में मिली हार के साथ ही इंडोनेशिया मास्टर्स 2025 में भारत का अभियान समाप्त हो गया। इस मैच में मौजूदा एशियाई खेलों के चैंपियन चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी को थाईलैंड के किटिनुपोंग केड्रेन और डेचापोल पुवारानुक्रोह के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। 50 मिनट तक चले मुकाबले में चिराग-सात्विक को थाईलैंड की जोड़ी ने 22-20, 23-21 से हराया। भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में तीन और दूसरे गेम में दो गेम प्वाइंट गंवा दिए। दुनिया के 10वें नंबर के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन जापान के केंटा निशिमोटो के खिलाफ राउंड ऑफ 16 के मैच में एक घंटे और 13 मिनट तक संघर्ष करने के बाद हार कर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पुरुष एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 15वें स्थान पर मौजूद केंटा निशिमोटो ने पहला गेम जीता, जबकि लक्ष्य सेन ने दूसरा गेम जीतने के लिए अपना पूरा जोर लगा दिया। लक्ष्य सेन ने एक मैच प्वाइंट बचाकर निर्णायक गेम को टाई-ब्रेक में पहुंचा दिया, लेकिन केंटा निशिमोटो ने धैर्य बनाए रखते हुए मुकाबले को अपने नाम करने के लिए शानदार वापसी की और मैच को 21-16, 12-21, 23-21 से जीत लिया। लक्ष्य सेन का केंटा निशिमोटो के साथ यह पांचवां मुकाबला था और इस हार के बावजूद, भारतीय शटलर वर्तमान में उनसे हेड-टू-हेड मुकाबले में 3-2 से आगे हैं। राउंड 2 में सेन के बाहर होने के साथ ही इंडोनेशिया मास्टर्स में पुरुष और महिला वर्ग में भारत का एकल अभियान भी समाप्त हो गया। तनीषा क्रास्टो-ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी को राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में मलेशिया की हू पैंग रॉन-चेंग सु यिन से हार का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड दोबारा तोड़ना और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक है प्रवीण का लक्ष्य

विजयनगर (कर्नाटक) (एजेंसी)। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता ट्रिपल जम्प खिलाड़ी प्रवीण चित्रावेल महाद्वीपीय खेलों में एक बार फिर पदक जीतने को लेकर आश्वस्त हैं लेकिन उनका लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य पदक विजेता से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे।

तमिलनाडु का यह खिलाड़ी 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। भारत के ही एलधोस पॉल (17.03 मीटर) और अब्दुल्ला अबुबाकर (17.02 मीटर) ने इस स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता था। प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जबकि वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल करना चाहते हैं।

यहां इंस्पायर इंस्टीट्यूफ ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) में ट्रेनिंग कर रहे प्रवीण ने विशेष साक्षात्कार में कहा, 'मैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल, सब कुछ। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक गंवा दिया था। मेरे पास एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि मैं एशियाई खेल (आइची-नागोया 2026) में पदक जीतूंगा लेकिन मैं राष्ट्रमंडल खेलों (2026 में) में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता।' राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची-नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। तेइस साल के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, 'मेरा निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.37 मीटर है, यह एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड है इसलिए मैं फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। मैंने 2023 में ऐसा किया था और 2025 में फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं।' प्रवीण ने कहा, 'मैं इस साल विश्व इंडोर चैंपियनशिप, एशियाई चैंपियनशिप, विश्व ओपन चैंपियनशिप और फिर डाइमंड लीग पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।'

प्रवीण ने 2023 में क्यूबा के हवाना में प्युएब्ला डि कनफ्रोनटेसिन एथलेटिक्स मीट में 17.37 मीटर के प्रयास से स्वर्ण पदक जीतते हुए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। इस स्टार खिलाड़ी ने कहा कि परिवार के कई सदस्यों के खेलों से जुड़े होने और पढ़ाई में काफी अच्छा नहीं होने के कारण उनके लिए खेलों से जुड़ने का फैसला करना अधिक मुश्किल नहीं था। प्रवीण ने कहा, 'मेरा परिवार खेलों में रहा है, मेरे चाचा, मेरे पिताजी कबड्डी खेलते थे। मैं भी पहले कबड्डी खेलता था, फिर मेरे पिता ने कहा कि जब आपके लिए अच्छा हो तो आप व्यक्तिगत खेलों को खेल सकते हैं। टीम खेल ऐसा नहीं है कि हर व्यक्ति हर बार आपके साथ आए इसलिए व्यक्तिगत रूप से आप अपने लिए नाम बना सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'पढ़ाई में मैं काफी अच्छा नहीं था लेकिन खेल मुझे अधिक सहज लगे इसलिए मैंने इनसे जुड़ने का फैसाल किया।' प्रवीण ने कहा कि शुरुआत में सुविधाओं की कमी थी लेकिन

नतीजे हासिल करने के बाद उन्हें सुविधाएं मिलने लगीं। तमिलनाडु के थंजावुर जिले के इस खिलाड़ी ने कहा, 'नहीं, मेरे गांव में हमारे पास कोई सुविधा नहीं थी लेकिन मैं अपने राज्य और जिले में क्षेत्रीय और जिलास्तरीय प्रतियोगिताओं में जगह बना रहा था। इसके बाद सातवीं कक्षा के दौरान मुझे चेन्नई में हॉस्टल मिला, 10 या 11 साल की उम्र में, फिर मुझे सुविधाएं मिलने लगीं।'

चैम्पियंस ट्रॉफी : अगले माह ही मिल पायेंगे पीसीबी को स्टेडियम

लाहौर। अगले माह 19 फरवरी से शुरु हो रहे आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी मुकाबलों के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को स्टेडियम दो सप्ताह पहले ही मिल पायेंगे। इसका कारण है कि यहां निर्माण का काम अभी पूरा नहीं हो पाया है। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले इन दोनों स्टेडियम को पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाली त्रिकोणीय सीरीज के मैचों से परखा जाएगा कि ये सही हैं कि नहीं। अभी इस बात को लेकर भी पीबीबी को चिंता है कि क्या यह स्टेडियम चैंपियंस ट्रॉफी तक पूरी तरह से तैयार हो जाएंगे और उनमें जोड़ी गई नई सुविधाओं की जांच परख करने के लिए पर्याप्त समय होगा या नहीं। कराची के नेशनल स्टेडियम के महा प्रबंधक अरशद खान ने कहा कि नवीनीकरण का कार्य जनवरी के आखिर तक पूरा हो जाएगा और पांच फरवरी को इसे पीसीबी को सौंप दिया जाएगा। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की भी यही स्थिति है। पीसीबी ने इन दोनों स्टेडियम और रावलपिंडी स्टेडियम के नवीनीकरण पर 12 अरब पाकिस्तानी रुपए खर्च किए हैं। कराची के नेशनल स्टेडियम में काफी बदलाव किए गए हैं। इसमें एक पांच मंजिला इमारत तैयार होने के करीब है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्याज एवं लहसुन फसल में कीटों से सुरक्षा

आस्था शर्मा, पिंकी शर्मा, डॉ. दीपक गुप्ता
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविधालय, जोबनेर-जयपुर (राज.)

प्याज एवं लहसुन भारत में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण फसलें है। इनकों सलाद के रूप में, सब्जी में, आचार या चटनी बनाते समय प्रयोग में लाते हैं। प्याज एवं लहसुन की खेती रबी मौसम में की जाती है लेकिन इनको खरीफ(वर्षा ऋतु) में भी उगाया जाता है। प्याज एवं लहसुन की फसल में विभिन प्रकार के रोग एवं कीट लगते हैं जिससे उत्पादन प्रभावित होता है। अच्छी गुणवत्ता वाली उच्च विपणन योग्य कन्द उपज पाने के लिए उचित तरीकों से कीट और रोग प्रबंधन करना बहुत आवष्यर्क है। इसके अलावा, निम्नलिखित बातें ध्यान में रखनी चाहिए।

1 कीटनाशक का छिड़काव रोपाई से 30 दिनों बाद या जैसे ही कीट रोग प्रकट हो, आरंभ कर देना चाहिए।

2 कीट की तीव्रता के आधार पर 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव किया जाना चाहिए।

3 हमेशा छिड़काव करते समय चिपकने वाले पदार्थ (स्टीकर) ड़ाले।

4 एक ही वर्ग के कीटनाशकों का बार बार इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

प्याज व लहसुन के प्रमुख कीट

चूसक कीट (थ्रिप्स टेबेसाई)

ये प्याज का प्रमुख रुप से हानि पहुंचाने वाला कीट है। इनका आक्रमण तापमान में वृद्धि के साथ तीव्रता से बढ़ता है और मार्च में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। इनका रंग हल्का पीले से भूरे रंग का तथा छोटे-छोटे गहरे चकत्ते युक्त होता है। इस कीट के निम्फएवं प्रौढ़ दोनों ही अवस्थायें मुलायम पत्तियों का रस चूस कर उन्हें क्षति पहुँचाती है। इस कीट से प्रभावित पत्तियों में जगह जगह पर सफेद धब्बे दिखाई देते हैं। अधिक प्रकोप होने पर पत्तियां सिकुड़ जाती है और पौधों की बढ़वार रुक जाती है तथा प्रभावित पौधों के कंद छोटे रह जाते हैं जिससे उपज मे कमी हो जाती है।

रोकथामः

1. सर्वप्रथम रोपाई के पूर्व पौधों की जड़ों को दो घंटे तक कार्बोसल्फान एक मिली प्रति लीटर पानी के घोल से उपचारित करना चाहिए।
2. इन कीटों का संक्रमण दिखाई देने पर नीम द्वारा निर्मित कीटनाशी (जैसे ईकोनीम, निरिन या ग्रेनीम) 3-5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार घोल तैयार कर शाम के समय फसल पर 10-12 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव करें
3. डाईमेथोऐट 30 ई.सी. 650 मि.ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या मेटासिस्टॉक्स 25 ई.सी. 1 ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 30 ई. सी. 5 मि.ली. प्रति 15 ली. पानी के साथ छिड़काव करें। कीटनाशक के सही प्रभाव हेतु चिपकने वाले पदार्थ (स्टिकर) जैसे सेन्डोविट या टीपॉल (2.5 ग्राम प्रति लिटर) का प्रयोग करना चाहिए।

प्याज की मक्खीः मैगट (हाईलिमिया ऐंटीकुआ)

यह मक्खी प्याज की फसल का प्रमुख हानिकारक कीट है जो अपने मैगट पौधों के भूमि के पास वाले भाग, आधारीय तने में दिए जाते हैं। मैगटों की संख्या 2-4 तक हो सकती है। इनसे भूमि के पास वाले तने का भाग सड़कर नष्ट हो जाने से पूरा पौधा सूख जाता है। कभी-कभी इस कीट द्वारा फसल को भारी मात्रा मे क्षति होती हैप

रोकथामः

1. फसल की रोपाई पूर्व, खेत की तैयारी करते समय नीम की खली/खाद 3-4 क्विं. प्रति एकड़ की दर से जुताई कर भूमि मे मिलाएं।
2. खेत की तैयारी करते समय कीटनाशी क्लोरोपाइरिफॉस 5 प्रतिशत की दर से जुताई करते समय भूमि मे मिलाएं तत्पश्चात फसल की रोपाई करें।
3. खड़ी फसल मे इस कीट (मैगट) का संक्रमण दिखाई देने पर कीटनाशी क्यूनालफॉस 2 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार मात्रा में घोल तैयार कर शाम के समय 2-3 छिड़काव करें।

कटवा

इस कीट की सूंडियाँ या इल्ली जो कि 30-35 मिली मीटर लंबी एवं राख के रंग की होती है, पौधों की जमीन के अंदर वाले भाग को कुतर कर नुकसान पहुंचाती हैं। इससे पौधे पीले पड़ने लगते हैं एवं आसानी से उखड़ जाते हैं।

रोकथामः

1. फसल चक्र अपनाना चाहिए।
2. आलू के बाद प्याज की फसल नहीं लगाना चाहिए।
3. रोपाई के पूर्व थीमेट 10 जी 4 कि.ग्रा. एकड़ की दर से खेत में मिलाना चाहिए।

शीर्ष छेदक (हेलिओथिस आर्मिजेरा)

इस कीट का लार्वा पत्तियों को काटकर फसल को हानि पहुँचाता है। यह कीट प्याज की बीज वाली फसल में ज्यादा क्षति पहुँचाता है।

रोकथामः

इनके नियंत्रण हेतु मिथाइल डेमेटोन या साइपरमेथ्रिन 0.5-1.0 मि.ली. दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। घोल में 0.1 प्रतिषत ट्राइट्रोन या सैन्डोविट नामक चिपचिपा पदार्थ अवश्य मिलायें।

जैविक पशुपालन, स्वास्थ्यवर्धक एवं ज्यादा मुनाफे की तकनीक

जैविक पशुपालन से तात्पर्य है कि पशुओ को खिलाये जाने वाला चारा व दाना पुर्ण रूप से जैविक हो तथा पशुओ से प्राप्त उत्पाद संश्लेषित रासायनिक पदार्थ व खादों से पूर्णतरू मुक्त होना चाहिए द्य

जैविक पशुपालन के फायदे, मनुष्य व अन्य प्राणियों को जैविक उत्पादों का उपयोग कर घातक बिमारियों से बचाया जा सकता हैद्य स्थायी कृषि व पशुपालन को बढावा मिलता है द्य यह स्वास्थ्यवर्धक है द्य कम लागत से अधिक मात्रा व गुणवता वाले उत्पाद प्राप्त होना द्य मृदा का स्थायी स्वास्थ्यवर्धन करता है द्य जैविक खाद्य पदार्थो का बाजार मूल्यए सामान्य खाद्य पदार्थों से कई गुना अधिक है जिससे पशुपालक को ज्यादा मुनाफा मिलेगा।

जैविक पशुपालन के लिये क्या करे रू. जैविक पशुधन फार्म का प्रमाणीकरण अधिकृत जैविक प्रमाणीकृत एजेंसी से ही करवाए द्य पशुओ को पूर्णतरू जैविक चारा व दाना खिलाये तथा चारा उत्पादन के लिये प्रमाणित जैविक बीजो का उपयोग करे द्य जैविक पशुधन फार्म मेंए अन्य पशुओ को नही आने दे द्य कीटोव पीडको का नियंत्रण जैविक विधि से करे द्य पशुओ को प्राकृतिक चरागाहो में ही चराये द्य इन पशुओ से प्राप्त उत्पादों को अन्य पशुओ से प्राप्त उत्पादों से अलग रखे तथा इनमे किसी भी प्रकार का रासायनिक संरक्षक व फीड एड़ीटिव नही मिलाये द्यउत्पादों की पैकेजिंग जैविक तरीके से करेए उत्पादों को प्रमाणीकृत एजेंसी से प्रमाणित करवाकर जैविक उत्पाद होने का मार्का लगाकर ही बेचे जिससे ज्यादा लाभ मिल सके द्य बीमार पशुओ के लिये जहा तक संभव हो होम्योपेथिक व आयुर्वेदिक दवाओ का उपयोग करे।

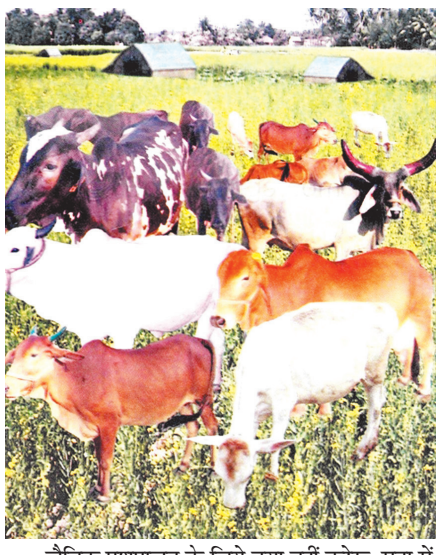

जैविक पशुपालन के लिये क्या नहीं करेरू. मृदा में संश्लेषित रासायनिक पदार्थो जेसे. कीटनाशी व पीडकनाशी आदि तथा रासायनिक खादों का उपयोग नहीं करे द्य पशुओ में जहा तक संभव हो एलोपेथिक दवाओ का उपयोग नही करे द्य जेनेटिकली मॉडिफाइड वैक्सीन व चारा उत्पादन के लिये जेनेटिकली मॉडिफाइड बीजो का उपयोग नही करे।

डॉ.नरेंद्र चौधरी, डॉ. शशि चौधरी
पशु विज्ञान केंद्र राजुवास बीकानेर

मुर्गियों के पेट में पानी भरने की बीमारी का ईलाज

मृत्युदर- 2-25 तेज बढ़ने वाले ब्रायलर नस्ल को अच्छा सन्तुलित आहार चाहिए और आज के परिवेश में सबसे अच्छा सन्तुलित आहार पिलेट फीड है परन्तु जब भी कोई किसान पिलेट फीड पहली बार शुरू करता हैं, तो तेज वजन बढ़ने के साथ-साथ उसे पेट में पानी भरने का भी सामना करना पड़ता है। यहां एक बार और साफ कर दें- लाट में तेज बढ़ने वाले ब्रायलर एसाईटिस से ज्यादा ग्रस्त होते है, विशेष रूप मे नर ब्रायलर, परन्तु जिनकी मृत्यु होती है, वह औरों के मुकाबले छोटे होते हैं। इसका तात्पर्य साफ है, कि यह तेज बढ़ने वाले ही थे, परन्तु पहले किसी समय इनके फेफड़े दिल एवं लीवर पर बुरा प्रभाव पड़ा, जिसके कारण इनके बढ़ने की रफतार धीमी पड़ गई और मरते समय औरों के मुकाबले छोटे रहे।

पेलट मिमक फीड और फीडिंग का मैनेजमेन्ट किस प्रकार करें कि एमाईटिस की समस्या से बचाएं रखा जाए।

लाभ की बात है पिलेट कम समय में अधिक खाया जाता हैं, इसलिए ब्रायलर तेज गति से बढ़कर कम समय में तैयार हो जाता हैं और एफ.सी.आर. भी कम आता है, परन्तु इसके लिए शरीर में मेटाबालिक क्रिया भी तेज हो जाती है। इस क्रिया की गति बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन हवा एवं पानी की आवश्यकता भी बढ़ जाती हैं। यदि यह आवश्यकता पूरी न हुई तो मोटाबालिक गति बहुत तेज होने के कारण ब्रायलर कोशिश करता है कि अधिक से अधिक रक्त फेफड़ों के जरियें पम्प किया जाए, जिससे दिल के राईट वैन्ट्रीकल पर बहुत अधिक दबाव पड़ता हैं, जो वास्तव में बहुत छोटा होता हैं, परन्तु दबाव के कारण इसका आकार दोगुना हो जाता हैं और कमजोर होकर उल्टा प्रैशर डालता हैं, जिसके कारण लीवर से प्लाजमा रिसाव लीक कर पेट में एकत्रित होता है, जो सफेद या पीला तरल होता हैं और पेट फूलना शुरू हो जाता हैं, जिसे एसाईटिस या वाटर बेली के नाम से जाना जाता हैं। अब यहां जो बहुत ही महत्वपूर्ण बाते सामने आई है वह है हवा और पानी।

हवा और पानी की बिल्कुल मुफ्त है, उस पर हम कितना ध्यान देते हैं? बढ़िया वजन कम से कम फीड पर बिना किसी बीमारी के हवा एवं पानी का योगदान किसी भी हालात में बढ़िया से बढ़िया फीड से कम नही। बढ़िया फीड अकेले वह फल नही दे सकती, जिसकी हमें अपेक्षा हैं।

पानी- पिलेट फीड के कारण पानी की आवश्यकता ज्यादा है, अतः पानी हमें हर समय उपलब्ध हो एवं पानी के बर्तन बढ़कर लगायें जायें।

- पानी स्वच्छ फफूंद एवं कीटाणु रहित हो साथ ही पानी में क्लोराईड और सोडियम की मात्रा अधिक न हो-ठण्डा रहे।
- पानी का तापमान जाड़े में कमरे के तापमान से कम न हो और गर्मी में 220 सैंटीग्रेड से अधिक न हो-ठण्डा रहें।

हवा- हवा से ही पक्षी को आक्सीजन प्राप्त होती हैं एवं इसकी कमी आमतौर से पहले दिन से ही शेड में होती है, विशेष रूप से जाड़े में।

- तापमान बनाये रखने के लिए हम शेड को चारों और से पोलिथीन से कवर कर देते हैं। हवा अन्दर जाये तो किधर से जायें। अन्दर बुखारी जलती है, उसे भी जलने के लिए आक्सीजन चाहिए। जो गलती से थोड़ी खींच लेती हैं।

जैविक खेती- एक बेहतर खेती का विकल्प

डॉ. प्रवीण कुमार जागा मृदा वैज्ञानिक/ सहा, प्राध्यापक कृषि महाविद्यालय, गंजबासौदा

किसानों को अपनी खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए जैविक खादों के प्रयोग से अभियान को आगे बढ़ाने की शुरूआत करना चाहिए। इसके लिए हमारे किसानों को सबसे पहले अपने घर, आंगन, गली एवं खेत में उपस्थित कचरे को एक जगह इक्ट्ठा करें। इनमे से कांच, पत्थर और प्लास्टिक को निकालकर अलग कर ले। आमतौर पर गांव के कचरे में सूखे पत्ते डंठल टहनियां मिट्टी आदि शामिल होती हैं। यह कचरा नाडेप कंपोस्ट बनाने की प्राथमिक सामग्री हैं। इसमें अनुपात अनुसार गोबर मिट्टी और पानी डालकर नाडेप कंपोस्ट बना सकते हैं। मात्र एक गाय के वार्षिक गोबर से 80 से 100 टन अर्थात लगभग 150 बैलगाड़ी खाद प्राप्त किया जा सकता हैं। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के कृषक श्री नारायण पांडरी पांडे यानि नाडेप काका ने इस विधि को खोजा था। इसलिए इसे नाडेप कंपोस्ट नाम दिया गया हे। इस विध से तैयार खाद में नत्रजन 0.05 से 1.5 प्रतिशत स्फुर 0.5 से 0.9 प्रतिशत तथा पोटाश 1.2 से 1.4 प्रतिशत पाया जाता हैं। नाडेप की प्राकृतिक पद्धति पूर्णत्या अप्रदूषणकारी एंव जैविक है। इसमें गांव के कूड़े-कचरे का कल्याणकारी उपयोग होगा, साथ ही गांव स्वच्छ हर कर स्वास्थ्यवर्धक होगा तथा पोषक अन्न प्राप्त होगा। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढेगी और रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं पर निर्भरता भी कम होकर उनके दुष्परिणामों से भी बचा जा सकेगा। इस तरह से आप प्राकृतिक खाद का निर्माण कर सकते हैं और अपनी खेती को लाभ का धंधा भी बना सकते हैं।

नाडेप टांका बनाने की विधि- योग्य पाया भरकर जमीन के ऊपर ईंट का एक आयताकार टांका बनाया जाता हैं। जिसकी दीवारे 9 इंच चौड़ी होती हैं। टांके के अन्दर का माप लंबाई 12 फीट, चौड़ाई 5 फीट और ऊंचाई 3 फीट होती हैं। ईंटों की जुड़ाई मिट्टी से की जा सकती हैं। सिर्फ आखिरी रद्दा सीमेंट से जोड़िये ताकि टांका गिरने का डर नही रहेगा। टांके का फर्श ईंट पत्थर के टुकड़े डाल कर सीमेंट से पक्का करे। यह टांका हवादार होना आवश्यक है, क्योंकि खाद सामग्री को पकने के लिए कुछ मात्रा में हवा की आवश्यकता होती हैं। इसके लिए टांका बांधते समय चारों दीवारों में छेद रखें जाते हैं। ईंटों के हर दो रद्दों की जुड़ाई के बाद तीसरे रद्दे की जुड़ाई करे। इस प्रकार चारों दीवारों में छेद बनेगे। छेद इस प्रकार रखिए कि पहली लाईन के दो छेदों के मध्य में तीसरी लाईन के छेद आयें। इस प्रकार से तीसरे छटे एवं नौवें रद्दे में छेद बनेगें। छेदों की संख्या बढ़ाने से खाद जल्दी पक जाती हैं। इस टांके को अंदर बाहर दीवारों और फर्श को गोबर मिट्टी से लीप दें। टांका सूखने के बाद ही प्रयोग करें। बरसात व अत्यधिक गर्मी में नाडेप टांके के ऊपर अस्थाई छाया हैं।

नाडेप बनाने हेतु सामग्री

वानस्पति व्यर्थ पदार्थ- कुछ वनस्पति पदार्थ जैसे सूखे पत्ते छिलके डंठल टहनियां जड़े आदि जिसकी मात्रा 1400 से 1500 कि.ग्रा. या 400 घनफूट होना चाहिए, साथ ही इस बात का ध्यान रखना चाहिए, कि इसमें प्लास्टिक कांच एंव पत्थर नही होना चाहिए।

गोबर- पशुओं को गोबर जो 90 से 100 कि.ग्रा. या 8 से 10 टोकने गोबर का उपयोग करना चाहिए। गोबर को संयत्र से निकली स्लरी भी उपयोग में लाई जा सकती हैं।

सूखी छनी मिट्टी- खेत की या नाले आदि की मिट्टी के पहले उपयोग करना चाहिए। उपयोग के पहले इसमें से प्लास्टिक कांच एवं पत्थर आदि खाद न बनाने वाले पदार्थ निकाल लेना चाहिए। इसकी मात्रा करीब 2750 किलो या 120 टोकने गौमूत्र से सनी मिट्टी बहुत उपयोग होती हैं।

पानी- समयानुसार कम या ज्यादा पानी का उपयोग करना चाहिए, किंतु साधसरणतया सूखे वानस्पतिक पदार्थ के वजन बराबर 25 प्रतिशत वाष्पीकरण के लिए 1500 से 2000 लीटर प्रति कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए। जिसमें गौमूत्र एवं पशुओं का मूत्र भी मिट्टी में मिलाना चाहिए।

टांका भरने की पद्धति- सबसे पहले हमारे किसान उपरोक्त बताए अनुसार सामग्री की व्यवस्था लें। तत्पश्चात निम्नानुसार क्रम से टांका को भरे। जिस तरह अचार एक ही दिन या 24 घंटे में डाला जाता हैं। ठीक उसी तरह टांका एक दिन में भरकर सील कर देना चाहिए। अन्यथा खाद बनाने की क्रिया प्रभावित हो सकती हैं। भराई विधि निम्नानुसार क्रम से करें।

प्रथम उपचार- जिसके अंतर्गत प्रथम भराई का काम करने से पहले टांके के अंदर की दीवार को अच्छी तरह से पानी छिड़क कर गीला कर लेना चाहिए। अब बात करते है, दूसरी परत की जिसमें गोबर का घोल पहली परत इस प्रकार छिड़के कि पूरी वनस्पति अच्छी तरह भाग जाये। गर्मी के मौसम में पानी का अंश अधिक रखें। यदि आपने गोबर की स्लरी ली हो तो 2.5 गुना या 10 ली. पानी की मात्रा कम रखें। इसके बाद साफ छनी भीगी मिट्टी वनस्पति पर डाले। जिसकी मात्रा कम से कम 50 से 60 किलो या वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत काली मिट्टी समतल बिछा देना चाहिए और उस पर पानी छिड़क देना चाहिए। अब तीसरी परत के लिए साफ सूखी छनी मिट्टी भीगी हुई वनस्पति परत पर वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत यानि 50 से 60 किलो काली मिट्टी समतल बिछा दें। टांके को इस प्रकार तीन परतों को क्रम से टांके के मुंह के ऊपर 1.5 फीट ऊंचाई का झोपड़िनुमा आकार में भरते जाईए। साधारणत्या 11-12 तहों में टांका भर जायेगा। अब भरे टांका को सील कर दें। भरी सामग्री के ऊपर 3 इंच की मिट्टी की तह जमा दें और उसे गोबर के मिश्रण से व्यवस्थित रूप से लीप दें और यदि इस पर दरारे पड़े तो उन्हें लीप दें।

द्वितीय उपचार- इसे फिर से वनस्पति कचरे की उपरोक्त विधि से 6-6 इंच की परत से टांके से दो से ढ़ाई फीट ऊपर तक भर दें और टांके गोबर से लीपकर सील कर दें। सामग्री नम बनी रहे उसे सूखने न दे जरूरत के अनुसार इन्ही छेदों में पानी छीटते रहे। 70 से 90 दिन बाद, जब खाद पक गई हो और तापमान सामान्य हो जावे तब टांके में सब्बल से जगह-जगह 15 से 20 छेद करें। अब एक-एक किलो राईजोबियम एजेटोबेक्टर जीवाणु और पी.एस.एम. एक-एक बाल्टी पानी में अलग-अलग घोलकर अलग- अलग छेदों को फिर से बंद कर दें। उचित यह होगा कि जिस फसल में उत्पादित खाद का उपयोग किया जाना है, उसी फसल से संबंधित राईजोबियम कल्चर का उपयोग करें। खाद की गुणवत्ता बढेगी। नत्रजन स्फुर व पोटाश की मात्रा अधिक होगी और अधिक संख्या में जीवाणु भी होगें। 110-120 दिन बाद टांके से निकाले। खाद के ढेर को छांव में रखकर पत्ते से ढेक दें। इस पर पानी का हल्का छिड़काव करें। ऊपरी अधपका 10-15 प्रतिशत कचरा अलग कर उसे नया टांका भरते समय काम में लावे। एक टांके भरते समय काम में लावे। एक टांके से 2.5 से 2.7 टन खाद निकलती है, जो एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिए पर्याप्त होगी।

दक्षता- नाडेप परिपक्व होने के लिए प्रथम भराई की तारीख से 90 से 120 दिन लगते है। इस पूरे समय में खाद में सार्द्रता बनी रहने के लिए और दरारे बंद करने के लिए गोबर पानी का छिड़काव करते रहना चाहिए। आवश्यक लगे तो छेदों में भी पानी छिड़क कर इस पर दरारे न पड़ने दे। घास उगे तो उसे निकाल दें। नमी कायम रखे यदि कड़ी धूप हो तो उस पर घास फूस की चटाई से छायां कर दें या अस्थाई छप्पर बना दें, जिससे धूप एवं वर्षा से सरंक्षण मिल सके।

खाद की परिपक्वता- तीन चार महीने में खाद गहरे भूरे रंग की बन जाती हैं और सब दुर्गन्ध समाप्त होकर एक अच्छी खुशबु आती हैं। खाद सूखना नही चाहिए। इसमें 15 से 20 प्रतिशत नमी रहना ही चाहिए। इस खाद को एक फीट से 35 तार वाली छलनी से आड़ी रखकर छान लेना चाहिए। छना हुआ नाडेप कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए और छलनी के ऊपर का अर्द्धपक्व कच्चा माल फिर से खाद बनाते समय वनस्पति पदार्थ के साथ उपयोग में लाना चाहिए। छना खाद प्रति एकड़ 20 से 25 घन फीट बोकर दिया जा सकता हैं।

खाद के उपयोग की पद्धति- यदि आपके पास प्रति एकड़ वर्ष 3 से 5 टन खाद बोनी के 15 दिवस पूर्व खेत में फैला कर बखर चला देना चाहिए। यदि पहले ही वर्ष रासायनिक खाद नही देना हो तो नाडेप कंपोस्ट की मात्रा की तीन गुनी यानी कम से कम 10 से 15 टन नत्रजन 50 से 70 टन स्फुर और 130 किलो पोटाश और 9700 किलो सूक्ष्म अन्नद्रयुक्त पोषण मिल सकता है, क्योंकि कोई खाद पहले वर्ष में 33 प्रतिशत दूसरे वर्ष में 45 प्रतिशत और शेष 22 प्रतिशत तीसरे, चौथे वर्ष में पूरा उपलब्ध नही हो सकता हैं।

अमृत पानी- देशी गाय के 10 किलो ग्राम ताजे गोबर की देशी गाय के दूध से बना नोनीया घी 250 ग्राम अच्छी तरह फेटे, इसके बाद इसमें 500 ग्राम शहद मिलाकर फेटे। इस मिश्रण में से करीब आधा किलो मिश्रण लेकर बड़ के पेड़ के नीचे की आधा कि.ग्रा. मिट्टी अच्छी तरह मिला दें। अब इसकी एक कि.ग्रा मिश्रण को पतला कर बोनी करे। बोवनी के बाद अमृत पानी का छिड़काव करें।

विधि- अमृत पानी को या तो बोवनी के पूर्व की सिंचाई के साथ या बोवनी के बाद की प्रथम सिंचाई के साथ करें।

अमृत संजीवनी- मोबिल आईल की खाली 200 लीटर वाली ढक्कन कोठी लेवे। जिसमें दो रिंग से तीन समान भाग होते हैं। इस ड्रम में देशी गाय बैल बछियां का ताजा 60 किलो गोबर डाले। जिसमें दो रिंग तक अर्थात 2/3 भाग पर जावेगा। इस गोबर पर तीन कि.ग्रा यूरिया, तीन कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट तथा एक किलो ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश कुल 7 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक तथा दो किलो मूंगफली की खली डाले। अब इस टंकी में पानी भर दें। मात्र ऊपर के किनारे से तीन इंच खाली रखें। संपूर्ण मिश्रण को लकड़ी से अच्छी तरह चला दें और ढक्कन बंद करके 48 घंटे यानि दो दिन रखे। तत्पश्चात फसल में दें।

उपयोग विधि- प्रति कतार एक लीटर अमृत संजीवनी का मिश्रण देना चाहिए। मिश्रण को हाथ से मिलाकर महीन कर लेना चाहिए। पहले छिड़काव के 7 दिन बाद बदलाव दिखने लगेगा।

मटका खाद- 15 कि.ग्रा. ताजा गोबर, देशी गाय का 15 लीटर ताजा गोमूत्र तथा 15 लीटर पानी मिट्टी के घड़े में घोल लेवे। इसमें 250 ग्राम गुड़ भी मिला देवें। इस घोल को मिट्टी के बर्तन में ऊपर से कपड़ा या टाट मिट्टी से पैक कर देवें। 4-5 दिन बाद इस घोल में 200 लीटर पानी मिलाकर एक एकड़ खेत में समान रूप से छिड़क देवें। यह छिड़काव बोनी के 15 दिन बाद करें। पुनः सात दिन बाद दोहरावें। सामान्यतया फसल में 3-4 बार और लंबी अवधि की फसल जैसे गन्ना, केला, हल्दी में 8 बार छिड़के।

बायों गैस स्लरी- बायो गैस संयत्र में गोबर की पाचन क्रिया के बाद 25 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपान्तर गैस के रूप में होता हैं और 75 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपांतर खाद के रूप में होता है। 2 घन मीटर के गैस सयंत्र में जिसमें करीब 50 कि.ग्रा. गोबर राज या 18.25 टन गोबर एक वर्ष में डाला जाता हैं। उस गोबर से 80 प्रतिशत नमी युक्त करीब 10 टन बायों गैस स्लरी का खाद प्राप्त होता हैं। यह खेती के लिए अति उत्तम खाद है। इसमें 1.5-2.0 प्रतिशत नत्रजन स्फुर 1.0 प्रतिशत तक होता हैं। इसके अलावा सूक्ष्म पोषक तत्व एवं ह्यूमस भी पाया जाता हैं।

उपयोग विधि- यह खाद असिंचित खेती में करीब 5 टन व सिंचित खेती हेतु 10 टन प्रति हैक्टेयर के मान में डाला जाता हैं।

जीवाणु खाद- रासायनिक खेती के दीर्घकालीन परिणामों को देखते हुए कृषकों को वापिस जैविक खेती की ओर लौटना होगा। अगर देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाना है तो जैविक खेती में यू तो कई घटक है, लेकिन केंचुआ और उसके उत्पादों को प्रथम श्रेणी में रखा गया हैं। इसलिए टिकाऊ खेती के लिए खेती में केंचुओं की संख्या बढ़ाने के प्रयास करने की आवश्यकता हैं। केंचुआ न केवल खाद, मल आदि देता है, बल्कि यह आय का अच्छा स्त्रोत बन सकता हैं।

निर्माण एंव उपयोग विधि- केंचुआ खाद के उत्पादन की विधि एवं सरंचना पर वर्मी कंपोस्ट बनाने के लिए छायादार स्थान और मुख्य सामग्री के रूप में घास पतियां गोबर सब्जियों के छिलके आदि अपघटनशील पदार्थो का चुनाव करते है। फिर भी केंचुओं के अधिक एवं अच्छे उत्पादन के लिए कई विधियां अपनाई जाती हैं। पहली विधि है- टांका विधि

टांका विधि- जिसके अंतर्गत जमीन के ऊपर इंटों को टांका बनाया जाता हैं। टांके के तल में 1 इंच मोटी तब बिछाकर नम कर लें एवं कार्बनिक पदार्थ की 3 से 4 इंच की तह बिछाकर 2 से 3 इंच पकी गोबर की खाद डाले। तत्पश्चात 2000 केंचुए या 100 से 150 केंचुए/ वर्ग फुट के हिसाब से फैला दें एवं घास फूस से ढक दें तथा प्रतिदिन के हिसाब से पानी देते रहे। जबकि दूसरी विधि है-गड्ढा विधि।

गड्ढा विधि- इस विधि के अंतर्गत जमीन पर गड्ढा खोदकर इसके तल को पक्का करके पहली विधि के अनुसार ही मिट्टी, सामग्री तथा केंचुए डालकर टाट से ढक दें और पानी देते रहें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देशभर में कोचिंग सेंटर फिटजी की ब्रांचें बंद, अभिभावकों ने किया हंगामा... फीस वापसी की मांग

नई दिल्ली । पिछले कुछ दिनों में दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई जगहों पर कोचिंग सेंटर फिटजी की कई ब्रांच बंद हुई हैं। ब्रांच के अचानक बंद होने से सैकड़ों अभिभावकों में गुस्सा है, जिन्होंने फीस वापसी की मांग को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कोचिंग सेंटर की कई शाखा बंद हो गई हैं। उन्होंने कहा कि इसके पीछे का कारण ये है कि संस्थान वित्तीय संकट और लाइसेंसिंग और अग्नि सुरक्षा नियमों के उल्लंघन में फंसी है। उस पर प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। बता दें कि फिटजी के नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ और भोपाल जैसे शहरों में ब्रांच बंद हुए हैं, जहां के अभिभावकों ने कई पुलिस शिकायतें दर्ज कराई हैं। वहीं, आईआईटी-दिल्ली के पास कालू सराय में कोचिंग संस्थान के नामी दक्षिण दिल्ली शाखा को टीचर्स के पलायन के कारण कुछ कक्षाएं निलंबित करने पर मजबूर होना पड़ा है। इन टीचर्स को कथित तौर पर कई महीनों से वेतन नहीं मिला था। वहीं फिटजी के एक शिक्षक ने बताया कि अधिकांश संकाय सदस्य इसलिए छोड़ रहे हैं क्योंकि उन्हें कई महीनों से वेतन नहीं मिला है। गाजियाबाद के जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मेंद्र शर्मा ने हाल ही में अपंजीकृत संस्थानों के खिलाफ उत्तर प्रदेश कोचिंग विनियमन अधिनियम 2002 के तहत शुरू किए नए अभियान का जिक्र किया था। जबकि सोशल मीडिया पर संस्थान की अब बंद हो चुकी शाखाओं और पुलिस थानों के बाहर अभिभावकों के विरोध प्रदर्शन के वीडियो की बाढ़ आ गई है। कंपनी के शीर्ष प्रबंधन और अवैतनिक संकाय सदस्यों द्वारा जारी किए गए कई वीडियो भी सामने आए हैं। ऐसा लगता है कि यह संकट 22, 23 और 24 जनवरी को जेईई मेंस के सत्र-1 में बैठने वाले छात्रों के लिए शैक्षणिक सत्र की समाप्ति के ठीक बाद शुरू हुआ है।

ओडिशा में जनवरी में मार्च जैसी गर्मी का एहसास, तापमान 52 साल के शीर्ष 33.2 डिग्री पर पहुंचा

भुवनेश्वर । ओडिशा को जनवरी के महीने में ही भयानक गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। कोरापुट में तापमान 52 साल के शीर्ष 33.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिक इसकी वजह एंटी-साइक्लोनिक सिस्टम को मना रहे हैं। साथ ही आगे तापमान में और ज्यादा इजाफा होने की भविष्यवाणी की है। ओडिशा इस जनवरी में असामान्य रूप से उच्च तापमान से जूझ रहा है, जिसमें सबसे प्रमुख कोरापुट जिला है। जहां पारा 33.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिक उमाशंकर दास के अनुसार यह पिछले 52 वर्षों में दर्ज किया गया सबसे अधिक जनवरी का तापमान है। जानकारों के अनुसार ओडिशा में आमतौर पर मार्च से पहले ठंड का अनुभव होता है परंतु इस साल लोगों ने मार्च से बहुत पहले पंखों का उपयोग करना शुरू कर दिया है। ओडिशा और बंगाल की खाड़ी के तटीय क्षेत्र वर्तमान में एक एंटी-साइक्लोनिक सिस्टम से प्रभावित हैं, जो क्षेत्र में नम हवाएं ला रहा है। इसकारण तापमान बढ़ रहा है। आने वाली गर्म दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के कारण ये जलवायु परिस्थितियां और बिगड़ जाती हैं, जो प्रचलित गर्मी में और योगदान देती हैं। मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि अगले तीन दिनों में तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की और वृद्धि होगी, जो ओडिशा के निवासियों के लिए और अधिक परेशानी का संकेत है।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार बरामद

इंफाल । मणिपुर के थौबल और इंफाल पश्चिम जिलों में अलग-अलग अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठनों के 3 सदस्यों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि थौबल के उनिंगखोंग से प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। सक्रिय सदस्यों के पास से पिस्तौल, गोला-बारूद, नकदी और अन्य सामान बरामद किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक अन्य अभियान में इंफाल पश्चिम के लांगोल टाइप-थ्री से प्रतिबंधित कांगलेई यावोल कन्ना लूप (केवाईकेएल) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

सांसद औवेसी का आरोप, 'मोदी और केजरीवाल भाई जैसे, एक सिक्के के दो पहलू

नई दिल्ली । एआईएमआईएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि आम आदमी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच ज्यादा अंतर नहीं है और वे एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। ओखला निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी शिफा-उर-रहमान के लिए प्रचार करते हुए उन्होंने कहा, ''मोदी और केजरीवाल भाई जैसे हैं, एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों आरएसएस की विचारधारा से निकले हैं, एक संघ की शाखा से और दूसरा इसकी संस्थाओं से। ओवैसी ने शाहीन बाग में पैदल मार्च भी किया और जनता से पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के चुनाव चिह्न पतंग का बटन दबाने का आग्रह किया।

गणतंत्र दिवस के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

कुलगाम । 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के मद्देनजर जम्मू और कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, जिसके चलते संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों को तैनात किया है। कुलगाम में सुरक्षा बलों द्वारा व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, जिसके चलते वाहनों और लोगों की जांच की जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। यह सुरक्षा इसलिए बढ़ाई गई है ताकि गणतंत्र दिवस के मौके पर कोई अप्रिय घटना न हो सके। इन उपायों का उद्देश्य इलाके में शांति बनाए रखना और गणतंत्र दिवस के दौरान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है। स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील की जा रही है कि वे सुरक्षा बलों की तैयारियों में उनका साथ दें ताकि सभी सुरक्षित रहें।

मिल्कीपुर से योगी ने दिया नया नारा, ...ना जातिवाद, ना परिवारवाद, इस बार सिर्फ मोहर लगेगी राष्ट्रवाद

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के मिल्कीपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव पर सभी की निगाहें टिकी हैं। बीजेपी और समाजवादी पार्टी ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। शुक्रवार को बीजेपी के प्रत्याशी चंद्रभान पासवान के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिल्कीपुर में बड़ी जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री योगी ने समाजवादी पार्टी और उनके प्रत्याशी पर निशाना साधकर एक नया नारा दिया...ना जातिवाद, ना परिवारवाद, इस बार सिर्फ मोहर लगेगी राष्ट्रवाद।

वहीं, दूसरी ओर नाबालिग बच्ची से रेप के आरोपी सपा नेता मोईद खान के मुद्दे पर भी सीएम योगी ने सपा को जमकर घेराबंदी की। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार के समय जितना बड़ा माफिया होता था, उस उतना बड़ा ओहदा मिल जाता था। यही सपा सरकार की पहचान थी। सीएम की इस रैली के बाद बीजेपी के कार्यकर्ता से लेकर बड़े पदाधिकारी तक उत्साहित हैं। उन्होंने मिल्कीपुर उपचुनाव में जीत का दावा किया है।

बता दें कि सीएम योगी ने रैली से मिल्कीपुर में जातिगत समीकरण को जहां साधने की कोशिश की, वहीं दूसरी ओर पार्टी के स्थानीय नेताओं के विरोध को भी खत्म किया। मंच पर जहां एक तरफ मिल्कीपुर से पूर्व विधायक और इस बार टिकट के प्रबल दावेदार बाबा गोरखनाथ नजर आए। वहीं दूसरी ओर ब्राह्मण वोट बैंक का चेहरा कहे जाने वाले पूर्व विधायक खब्बू तिवारी भी दिखाई दिए। ब्राह्मणों की नाराजगी पर बीजेपी के पूर्व विधायक तिवारी ने कहा कि कोई नाराजगी नहीं है। बीजेपी सिर्फ विकास की राजनीति करती है। योगी जी की रैली के बाद मिल्कीपुर बीजेपी की जीत निश्चित है।

सीएम योगी ने कहा कि एक ओर महाकुंभ में करोड़ों लोग स्नान कर रहे हैं वहीं, दूसरी आई सपाई महाकुंभ के बारे में दुष्प्रचार कर जनता की आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ये वहीं सपा है जिसने अपनी सरकार में सरयू के जल को रामभक्तों के खून से लाल कर दिया था। ये परिवारवादी लोग जातिवाद के नाम पर समाज को तोड़ने का काम करते हैं। बीजेपी में परिवारवाद नहीं विकासवाद और राष्ट्रवाद है। इस बीच यूपी सरकार के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि शुक्रवार की यह रैली मिल्कीपुर की जीत को सुनिश्चित करती है। आज की उमड़ी इस जनसभा ने तय कर दिया इस कैसे इस बार जीत का बड़ा मार्जिन होने जा रहा है। जनता 2024 में जो भूल कर चुकी है वह दोहराने वाली नहीं है।

उत्तरकाशी में 40 मिनट के भीतर तीन भूकंप के झटके, लोगों में दहशत

उत्तरकाशी । उत्तराखंड की देवभूमि उत्तरकाशी में शुक्रवार सुबह धरती तीन बार हिली, जिससे पहाड़ों में खौफ का माहौल बन गया। नेशनल सेंटर ऑफ सिस्मोलॉजी के अनुसार, 40 मिनट के भीतर तीन भूकंप के झटके महसूस किए गए। पहले झटके का समय सुबह 7 बजकर 42 मिनट था, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.7 मापी गई। इसके बाद सुबह 8 बजकर 19 मिनट पर दो और झटके आए, जिनकी तीव्रता 3.5 थी। भूकंप का केंद्र उत्तरकाशी के भटवाड़ी प्रखंड में बताया जा रहा है। यह झटके जमीन के 5 किलोमीटर अंदर थे, जिससे उत्तरकाशी और आसपास के इलाकों में तेज कंपन महसूस हुआ। हालाँकि, भूकंप के कारण किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप के बाद लोग दहशत के कारण घरों से बाहर निकल आए और काफी देर तक खुले में बैठे रहे। वरुणावत पर्वत के भूस्खलन जोन से मलबा और पत्थर गिरने की भी खबर है। आपदा प्रबंधन विभाग और स्थानीय प्रशासन ने सभी तहसीलों से जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। उत्तरकाशी भूकंप के लिहाज से अतिसंवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। यह इलाका भूकंप जोन ढ्ढङ्क और ङ्क में आता है, जहां भूकंप की संभावना अधिक रहती है। आपदा कंट्रोल रूम को पूरी तरह अलर्ट मोड पर रखा गया है, और क्षेत्र में लगातार नजर रखी जा रही है। आपदा प्रबंधन विभाग ने क्षेत्र के लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। अधिकारियों ने बताया कि किसी अप्रिय स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें। विशेषज्ञों ने भी लोगों को भूकंप के बाद झटकों (आफ्टरशॉक्स) को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है।

महाराष्ट्र को मिलेगा तीसरा उपमुख्यमंत्री, संजय राउत के बयान से सियासी हलचल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की सियासत में हलचल मचाते हुए शिवसेना (उद्धव बाला साहब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने बड़ा दावा किया है कि राज्य में जल्द ही तीसरा उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया जाएगा। उनके अनुसार, यह नया डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना का कोई नेता होगा। संजय राउत ने कहा, महाराष्ट्र में अब दो नहीं, बल्कि तीन उपमुख्यमंत्री होंगे। नया डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना से चुना जाएगा। इस बयान के बाद राज्य की राजनीति में अटकलों का दौर शुरू हो गया है।

संजय राउत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एकनाथ शिंदे गुट पर निशाना साधते हुए कहा कि ईडी और सीबीआई के डर से नेता भाजपा के साथ खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा, यह सरकार दबाव और डर की राजनीति के जरिए चल रही है, लेकिन इसका सच जल्द सामने आएगा।

- तीसरे डिप्टी सीएम को लेकर अटकलें तेज

महाराष्ट्र में फिलहाल एकनाथ शिंदे और अजित पवार उपमुख्यमंत्री पद पर हैं। तीसरे उपमुख्यमंत्री की नियुक्ति के दावे ने राजनीति में नए समीकरण बनने की संभावनाओं को हवा दे दी है। शिवसेना के शिंदे गुट से किस नेता को यह पद मिलेगा, इसे लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। शिवसेना के उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुटों के बीच खींचतान जारी है। राउत के इस बयान को राजनीतिक दबाव और शिंदे गुट की स्थिति को लेकर भाजपा की रणनीति से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

संजय राउत के इस दावे ने महाराष्ट्र की राजनीतिक फिजा में हलचल मचा दी है। विपक्ष और सत्ताधारी गठबंधन के बीच बयानबाजी तेज होने की संभावना है। अब सबकी नजरें इस बात पर हैं कि राज्य सरकार और भाजपा इस दावे पर क्या प्रतिक्रिया देती हैं।

लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किसी भी धर्म का हिस्सा नहीं, शोर स्वास्थ्य के लिए खतरा

-बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा-नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ करें कार्रवाई

-एनटीए और सरकार ने अब तक आरोपियों को पहचानने के लिए क्या कदम उठाए

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने लाउडस्पीकर के इस्तेमाल को लेकर कहा कि लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। साथ ही, कानून प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे ध्वनि प्रदूषण के मानदंडों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें। जस्टिस एएस गडकरी और जस्टिस एससी चांडक की पीठ ने कहा कि शोर-शराबा स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा है। कोई भी यह दावा नहीं कर सकता कि अगर उसे लाउडस्पीकर के इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी गई तो उसके अधिकार किसी भी तरह प्रभावित होंगे।

होईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को निर्देश दिया कि वह धार्मिक संस्थाओं को ध्वनि स्तर को नियंत्रित करने के लिए तंत्र अपनाने का निर्देश दें, जिसमें डेसिबल सीमा तय करने की ध्वनि प्रणालियां भी शामिल हों। होईकोर्ट ने यह फैसला कुर्ला उपनगर के 2 आवास संघों की ओर से दायर याचिका पर दिया। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि क्षेत्र की मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकर से होने वाले ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि धार्मिक उद्देश्यों के लिए लाउडस्पीकर का इस्तेमाला शांति को भंग करता है। ध्वनि प्रदूषण नियम 2000 के साथ पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के प्रावधानों का उल्लंघन है। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि मुंबई एक महानगर है और जाहिर है कि शहर के हर हिस्से में कई धर्मों के लोग रहते हैं। होईकोर्ट ने कहा कि यह जनहित में है कि ऐसी इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। ऐसी अनुमति देने से इनकार करने पर अधिकारों का उल्लंघन नहीं होता है। लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है।

होईकोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार और अन्य प्राधिकारियों का यह कर्तव्य है कि वह कानून के प्रावधानों के तहत निर्धारित सभी आवश्यक उपाय अपनाकर कानून को लागू करें। कोर्ट ने कहा कि एक लोकतांत्रिक राज्य में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती कि कोई व्यक्ति/समूह/संगठन कहे कि वह देश के कानून का पालन नहीं करेगा और कानून लागू करने वाले अधिकारी मूकदर्शक बने रहेंगे। कोर्ट ने कहा कि पुलिस को ध्वनि प्रदूषण नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि ऐसे शिकायतकर्ताओं को निशाना बनाए जाने, दुर्भावना और घृणा से बचाया जा सके।

हाईकोर्ट ने मुंबई पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया कि वे सभी थानों को निर्देश जारी करें कि धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर के खिलाफ कोई भी शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई हो। पीठ ने कहा कि हम इस तथ्य का न्यायिक संज्ञान लेते हैं कि आम तौर पर लोग तब तक किसी चीज के बारे में शिकायत नहीं करते जब तक कि वह असहनीय और परेशानी का कारण न बन जाए। कोर्ट ने आवासीय क्षेत्रों में परिवेशी ध्वनि का स्तर दिन में 55 डेसिबल और रात में 45 डेसिबल से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

महाकुंभ में लगी आग की खालिस्तान समर्थक आतंकी संगठन केजेडएफ ने ली जिम्मेदारी, कहा-यह सिर्फ एक चेतावनी थी

प्रयागराज । यूपी के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में बीते 19 जनवरी को लगी आग की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) ने ली है। जिसके बाद अब यूपी एटीएस और एनआईए अलर्ट हो गई है। अब ये एजेंसियां अग्निकांड में आतंकी कनेक्शन तलाश रही हैं। आतंकवादी संगठन केजेडएफ ने ईमेल के जरिए बताया कि यह हादसा पीलीभीत में हुए एनकाउंटर का बदला था। इसके साथ ही, ईमेल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी जिक्र किया गया है। विदित हो कि प्रयागराज महाकुंभ में 19 जनवरी शाम करीब 4 बजे सेक्टर 19 में आग लग गई थी। इस हादसे में 40 कुटिया और छह टेंट जल गए थे। महाकुंभ प्रशासन के मुताबिक गीता प्रेस की रसोई में छोटे सिलेंडर से चाय बनाने के दौरान गैस लीक होने के कारण आग लगी। खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स ने कनाडा और पंजाब के पत्रकारों को ई-मेल भेजा है। इसमें लिखा है, ''खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स कुंभ मेले के दौरान हुए दोहरे विस्फोट की जिम्मेदारी लेता है। इस कृत्य का मुख्य उद्देश्य किसी को चोट पहुंचाना नहीं था। यह सिर्फ सीएम योगी के लिए एक चेतावनी थी कि हम आपके बहुत करीब हैं। यह ब्लास्ट पीलीभीत फर्जी मुठभेड़ में मारे गए तीन भाइयों की हत्या का बदला लेने के लिए किया है। यह तो बस शुरुआत है।'' यह मेल फतेह सिंह नाम के युवक ने भेजा है।

अनंत सिंह और सोनू-मोनू गिरोह विवाद पर बिहार सरकार के मंत्री और विपक्ष आमने-सामने

पटना (एजेंसी)। मोकामा के पंचमहला थानांतर्गत नौरंगा जलालपुर गांव में पूर्व विधायक अनंत सिंह और सोनू-मोनू गिरोह के बीच 22 जनवरी को हुई फायरिंग मामले में अनंत सिंह ने सरेंडर किया है। पूर्व विधायक ने बाढ़ अनुमंडल न्यायालय में सरेंडर किया, जिसकी जानकारी लगते ही भारी संख्या में पुलिस बल पहुंच गया। इसके पहले शुक्रवार सुबह मामले में सोनू-मोनू गैंग के सोनू और अनंत सिंह के एक समर्थक की गिरफ्तारी हुई थी। अनंत सिंह के सरेंडर के बाद अब मामले में डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, सम्राट चौधरी सहित कई अन्य नेताओं की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। वहीं, बाढ़ कोर्ट में सरेंडर करने के बाद पूर्व विधायक सिंह ने कहा कि वे कानून का पालन कर रहे हैं।

इस मामले पर डिप्टी सीएम सिन्हा ने कहा कि छोटी-मोटी घटनाओं पर सरकार की निगाहें बनी हुई हैं। क्राइम करने वाला बचेगा नहीं। ईमानदारी के साथ प्रशासन भी लगा हुआ है। सरकार पूरी सजगता के साथ कानून का राज स्थापित कर रही है। वहीं डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन अपना काम कर रहा है।

वहीं इस मामले में विरोधी नेता पप्पू यादव, पूर्णिया सांसद ने कहा कि पटना के पास दानापुर में बालू माफिया 200 गोलियां चलाता है, दूसरी ओर मोकामा में 100 गोलियां चलती हैं। दोनों शूटर मजे से इंटरव्यू दे रहे हैं और कैमरे पर एक-दूसरे को मारने की धमकी दे रहे हैं। प्रदेश में सरकार नाम की चीज नहीं है। हम सरकार से जानना चाहते हैं कि वे दोनों गोली चलाने वाले में से किसका समर्थन कर रही है और इन शूटरों को इतनी आजादी कैसे है कि वे खुलेआम एक-दूसरे की हत्या कर रहे हैं?...बिहार में अपराधी माफिया के बिना न सत्ता और ही विपक्ष चुनाव जीत सकता है।

वहीं राजद के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने नीतिश सरकार पर हमला

करते हुए कहा कि बिहार में अचेत मुख्यमंत्री होने के कारण अपराध-आदत तथा भ्रष्टाचार-शिष्टाचार में तब्दील हो चुका है। अब रूह कंपकपाने वाली घटनाएं सामान्य हो गई है। कई राउंड गोलियां चलाने वाले दोनों पक्ष केंद्रीय मंत्री के साथ खुलेआम घूमते है। मुख्यमंत्री स्वयं जेल से छुड़ाने के बाद उनके घर जाकर उनका स्वागत और अभिनंदन करते है। लेकिन अब कोई जंगलराज नहीं बोलेगा क्योंकि घटना में सम्मिलित सभी पक्ष सर्वश्रेष्ठ है।

कर्नाटक में मिला मंकीपॉक्स का मरीज, हालत स्थिर, डॉक्टर रख रहे पैनी नजर

-स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से की अपील, घबराएं नहीं अपना रखें ध्यान

मंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मंगलुरु में मंकीपॉक्स का पहला केस दर्ज किया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा है कि उडुपी जिले के करकला तालुक में रहने वाले 40 वर्षीय मरीज की हालत स्थिर है उसे कोई गंभीर परेशानी नहीं है। उन्होंने कहा कि 17 जनवरी को दुबई से आए इस मरीज को जल्द ही छुट्टी दे दी जाएगी। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वह घबराएं नहीं।

एक बयान में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के प्रधान सचिव और एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के निदेशक अंसार अहमद ने लोगों को आश्वस्त किया कि यह बीमारी ज्यादातर मामलों में हल्की और सीमित है। उन्होंने कहा कि लोगों को घबराना नहीं

चाहिए, क्योंकि यह बीमारी मुख्य रूप से निकट या घनिष्ठ संपर्क से फैलती है और यह कोविड-19 जितनी संक्रामक भी नहीं है। इसके लक्षणों में आमतौर पर त्वचा पर चकत्ते, बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और ठंड लगना शामिल हैं।

अधिकारियों ने उच्च जोखिम वाले देशों की यात्रा करने वाले लोगों या पुष्टि वालों मामलों के निकट संपर्क में रहने वाले लोगों को इनमें से किसी भी तरह का लक्षण पाए जाने पर चिकित्सा सलाह लेने की सलाह दी है। मंकीपॉक्स का उपचार बुखार और शरीर के दर्द जैसे लक्षणों को कम करने पर केंद्रित है, साथ ही संक्रमित घावों से होने वाले द्वितीयक संक्रमणों के लिए एंटीबायोटिक्स का इस्तेमाल किया जाता है। पर्याप्त हाइड्रेशन, पोषण और विश्राम सुनिश्चित करना भी अहम है।

वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए केंद्र सरकार की ओर से अनिवार्य परीक्षण आवश्यकताएं या सलाह नहीं दी गई है। स्वास्थ्य अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं और लोगों को आश्वस्त कर रहे हैं कि मामले को प्रबंधित करने के लिए जरुरी उपाय करें।

साल 2069 में होने वाले महाकुंभ का दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल

नईदिल्ली (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) की मदद से भविष्य के महाकुंभ की एक दिलचस्प झलक सामने आई है। साल 2069 में होने वाले महाकुंभ का दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसे देखकर हर किसी के रोंगटे खड़े हो गए हैं। महाकुंभ के आयोजन को लेकर सरकार ने हर संभव प्रयास किए हैं, जिसमें टेंट, टॉयलेट्स, पीने का पानी और अन्य सुविधाओं का इंतजाम किया गया है। बावजूद इसके, श्रद्धालु कुछ समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इन समस्याओं के बीच, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने एक अनोखी झलक पेश की, जिसमें दिखाया गया है कि 2069 के महाकुंभ में लोग किस प्रकार की तकनीकी परिवर्तनों का सामना करेंगे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और चित्रों में इस भविष्य के महाकुंभ की कल्पना की गई है, जहां पारंपरिक साधू-बाबाओं की जगह रोबोटिक साधू नजर आएंगे। ये साधू अपनी हथेली से आरती की लौ जला सकेंगे। वहीं, आसमान में ग्रह-नक्षत्रों के संगम का दृश्य भी श्रद्धालुओं के लिए अलौकिक होगा। यह वीडियो न सिर्फ तकनीकी दृष्टिकोण से, बल्कि धार्मिक दृष्टिकोण से भी अनोखा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से यह वीडियो दिखाता है कि महाकुंभ का आयोजन भविष्य में कैसे पूरी तरह से टेक्नोलॉजी से सुसज्जित होगा।

लोग इस दृश्य को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए हैं और इसे लाखों बार देखा जा चुका है। इसमें दिखाया गया है कि अगले 144 वर्षों में तकनीक कितनी विकसित हो जाएगी, जिससे महाकुंभ का अनुभव एक नई और अद्भुत दिशा में परिवर्तित हो जाएगा। इस महाकुंभ का हिस्सा बनने के लिए लोग अपनी अगली पीढ़ी को खुशकिस्मत मान रहे हैं, क्योंकि यह तकनीकी परिवर्तन न सिर्फ धार्मिक अनुभव को प्रभावित करेगा, बल्कि इसे एक नए आयाम पर भी ले जाएगा। वर्तमान में जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरुआत हो चुकी है, भविष्य में यह तकनीक बेहद एडवांस हो जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

वांग यी ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विदेश मामले के सलाहकार के साथ वार्ता की

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने 21 जनवरी को पेइचिंग में बांलादेश की अंतरिम सरकार के विदेश मामले पर सलाहकार तौहीद हुसैन के साथ वार्ता की। वांग यी ने कहा कि वर्तमान वर्ष चीन बांग्लादेश राजनयिक संबंध स्थापना की 50वीं वर्षगांठ है और चीन बांग्लादेश जन आवाजाही वर्ष भी है। चीन बांग्लादेश के साथ परंपरागत मित्रता बनाए रखकर रणनीतिक संवाद मजबूत करना, व्यावहारिक सहयोग गहराना, गुणवत्ता से बेल्ट एंड रोड का सहनिर्माण करना चाहता है ताकि चीन बांग्लादेश सर्वांगीण रणनीतिक सहयोग साझेदारी के विकास को बढ़ावा मिले। चीन बांग्लादेश द्वारा राष्ट्रीय स्वतंत्रता, प्रभुसत्ता और स्वाभिमान की सुरक्षा करने और अपनी स्थिति से मेल खाने वाला विकास का रास्ता निकालने का समर्थन करता है। तौहीद ने कहा कि चीन के प्रति मैत्रीपूर्ण संबंध बरकरार रखना बांग्लादेश की विभिन्न पार्टियों का समान विचार है, जिसे सरकार और जनता का समर्थन मिला है। बांग्लादेश चीन के साथ द्विपक्षीय संबंध नई मंजिल पर पहुंचाने को तैयार है।

जर्मनी में अफगान व्यक्ति ने चाकू से किया हमला, बच्चे समेत दो लोगों की मौत ; आरोपी गिरफ्तार

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां एक अफगान व्यक्ति ने चाकू से हमला कर बच्चें समेत दो लोगों की हत्या कर दी। साथ ही इस हमले में तीन लोग के घायल होने की भी खबर सामने आ रही है। मारे गए लोगों में एक दो साल का बच्चा और 41 साल का एक जर्मन व्यक्ति शामिल है। वहीं बात अगर घायल व्यक्तियों की करें तो हमले में एक 72 साल का जर्मन व्यक्ति, 59 साल की जर्मन महिला और 2 साल की सीरियाई लड़की भी घायल हो गई। दक्षिणी जर्मनी के असचफेनबर्ग में एक पार्क में हुए इस चाकू कांड का हमलावर अब पुलिस के गिरफ्त में है। हमलावर की पहचान को लेकर पुलिस ने बताया कि संदिग्ध हमलावर एक 28 साल का अफगान व्यक्ति था, जिसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि हमले के पीछे का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं है, लेकिन पुलिस और सरकारी अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध मानसिक रूप से बीमार हो सकता है। उसने पहले भी हिंसक अपराधों के लिए पुलिस का ध्यान खींचा था और उसे इलाज दिया गया था। वह नवंबर 2022 में जर्मनी आया था और शरण मांगी थी, लेकिन उसे पिछले महीने देश छोड़ने के लिए कहा गया था। गौरतलब है कि यह हमला उस समय हुआ है जब जर्मनी पहले से ही एक अन्य हमले के कारण अलर्ट पर था, जिसमें एक ड्राइवर ने क्रिसमस बाजार में कार घुसाकर छह लोगों को मार डाला और लगभग 300 को घायल कर दिया। इस घटना ने जर्मनी में प्रवासन नीति को लेकर और कड़े कदम उठाने की मांग को बढ़ा दिया है।

ट्रम्प सरकार के पहले दिन 308 अवैध प्रवासी गिरफ्तार : इन पर हत्या, रेप, किडनैपिंग के आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पदभार संभालने के पहले दिन (मंगलवार) इमीग्रेशन एंड कस्टम इन्फोर्समेंट (ढ्ढष्टश्व) ने 308 अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार किया है। द न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक सीमा सुरक्षा अधिकारी टॉम होमन ने यह खुलासा किया है। ये गिरफ्तारियां देश के हर हिस्से से हुई हैं। इन अवैध प्रवासियों में से ज्यादातर अपराधी हैं। इनमें से कुछ पर अपहरण, हत्या और बलात्कार के आरोप हैं। होमन ने बुधवार को कहा कि इमीग्रेशन अधिकारियों ने उन अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार करना शुरू कर दिया है जो देश के लिए खतरा पैदा करते हैं। इनकी आबादी 7 लाख से ज्यादा है। बांग्ला अखबार प्रथोम अलो की रिपोर्ट के मुताबिक पहले दिन पकड़े गए लोगों में 4 बांग्लादेशी नागरिक हैं। इन्हें न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन बरो फुल्टन इलाके से गिरफ्तार किया गया है। अवैध प्रवासियों को पकड़ने के लिए देशभर में छापेमारी जारी रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के कई राज्यों में छापेमारी जारी है और बड़े पैमाने पर अप्रवासियों से पूछताछ की जा रही है। राष्ट्रपति चुनाव जीतने के कुछ ही दिन बाद ट्रम्प ने इमिग्रेशन और कस्टम एनफोर्समेंट के पूर्व प्रमुख टॉम होमन को 'बॉर्डर जार(सीमा सुरक्षा अधिकारी)' नियुक्त किया था। होमन ने पिछले सप्ताह ऐलान किया था कि ट्रम्प के शपथ ग्रहण के अगले दिन वे देशभर में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू करेंगे और हिना दस्तावेज वाले अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार करेंगे। सोमवार को शपथ लेने के बाद ट्रम्प ने कई एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर दस्तखत किए। इनमें से अवैध प्रवासियों की एंट्री रोकने और सीमा पर सुरक्षा कड़ी करने जैसे आदेश थे। ट्रम्प ने शपथ के दौरान भी अमेरिका से अवैध प्रवासियों को निकालने की बात कही थी।

माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना हुआ 36 फीसदी महंगा, नेपाल ने बढ़ाई फीस

काठमांडू, एजेंसी। अधिकारियों ने बताया कि नेपाल ने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए परमिट शुल्क में 36 प्रतिशत की भारी वृद्धि की है. दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर कचरा प्रदूषण को नियंत्रित करने के उद्देश्य से कई उपाय भी शुरू किए हैं. संशोधित पर्वतारोहण नियमों के तहत, वसंत ऋतु (मार्च-मई) में सामान्य दक्षिण मार्ग से एवरेस्ट पर चढ़ने वाले विदेशियों के लिए रॉयल्टी शुल्क मौजूदा 11,000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति से बढ़ाकर 15,000 अमेरिकी डॉलर कर दिया गया है.

शरद ऋतु (सितंबर-नवंबर) के लिए चढ़ाई शुल्क 5,500 अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 7,500 अमेरिकी डॉलर हो गया है. वहीं, सर्दियों (दिसंबर-फरवरी) और मानसून (जून-अगस्त) के लिए प्रति व्यक्ति परमिट शुल्क 2,750 अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 3,750 अमेरिकी डॉलर हो गया है. पर्यटन बोर्ड की निदेशक आरती नेउपाने ने कहा कि इस संबंध में मंत्रिमंडल का निर्णय पहले ही हो चुका है, हालांकि आधिकारिक घोषणा अभी होनी है. उन्होंने कहा कि 8848.86 मीटर ऊंची चोटी पर चढ़ने के लिए नई फीस 1 सितंबर, 2025 से लागू होगी. मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित संशोधित नियम नेपाल राजपत्र में प्रकाशित होने के बाद प्रभावी हो जाएंगे. हालांकि, उन्होंने कहा कि एवरेस्ट पर चढ़ने के इच्छुक नेपाली पर्वतारोहियों के लिए रॉयल्टी को

मौजूदा 75,000 रुपये से दोगुना बढ़ाकर शरद ऋतु के लिए 150,000 रुपये कर दिया जाएगा. पिछली रॉयल्टी फीस में संशोधन 1 जनवरी, 2015 को किया गया था, जब सरकार ने समूह-आधारित प्रणाली से सामान्य मार्ग से वसंत ऋतु के लिए प्रति पर्वतारोही 11,000 अमेरिकी डॉलर के एक समान शुल्क पर स्विच किया था. पहले 75 दिनों के लिए वैध चढ़ाई परमिट अब 55 दिनों तक सीमित रहेंगे. काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, वैधता में कमी का उद्देश्य चढ़ाई गतिविधियों को सुव्यवस्थित करना है. पर्यटन मंत्रालय की संयुक्त सचिव इंदु घिमिरे ने कहा कि वसंत 2025 अभियान के लिए पहले से ही पुष्टि की गई बुकिंग इस बदलाव से प्रभावित नहीं होगी.

घिमिरे के अनुसार, नियमों में कचरा प्रबंधन, उच्च ऊंचाई वाले श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और सरकारी राजस्व को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया है. संशोधित नियमों के अनुसार, आगामी वसंत ऋतु से, एवरेस्ट पर्वतारोहियों को अपने मल को उचित निपटान के लिए बेस कैंप में वापस लाना होगा. पर्वतारोहियों को ऊपरी इलाकों में कचरा इकट्ठा करने के लिए बायोडिग्रेडेबल बैग ले जाना चाहिए. बेस कैंप में आमतौर पर अभियान के दौरान मानव अपशिष्ट एकत्र करने के लिए बैरल के साथ शौचालय टेंट होते हैं. हालांकि, उच्च शिविरों में, केवल कुछ एजेंसियां ही ऐसी सुविधाएं प्रदान करती हैं, जबकि अन्य गड्ढों पर निर्भर हैं. रिपोर्ट में कहा गया है कि बहुत कम पर्वतारोही शिखर से अपशिष्ट परिवहन के लिए बायोडिग्रेडेबल बैग का उपयोग करते हैं. पिछले वसंत में, खुंबू पासंग ल्हामू ग्रामीण नगर पालिका की स्थानीय सरकार ने कचरा मुद्दे को संबोधित करने की अपनी पहल के हिस्से के रूप में बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट बैग के उपयोग को लागू किया. इसने 1,700 पूप बैग बेचे. यह पहल अब 8,000 मीटर से अधिक ऊंची चोटियों पर चढ़ने वाले पर्वतारोहियों के लिए अनिवार्य कर दी गई है. अनिवार्य अपशिष्ट संग्रह एवरेस्ट क्षेत्र में पर्यावरण क्षरण को संबोधित करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है. पर्वतारोही लंबे समय से अस्थिर प्रथाओं पर निर्भर रहे हैं, दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित स्थानों में से एक में त्यागे गए ऑक्सीजन कनस्तरों, परित्यक्त टेंट, खाद्य पैकेजिंग और मानव अपशिष्ट सहित कचरा जमा करते हैं. ऐसी प्रथाओं ने क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को धूमिल किया है. स्थानीय समुदायों के लिए स्वास्थ्य संबंधी खतरे पैदा किए हैं. नए नियमों के अनुसार, पर्वतारोहियों को पर्यटन विभाग द्वारा जारी किए गए उनके परमिट दस्तावेजों में सूचीबद्ध नहीं की गई वस्तुओं को ले जाने से रोक दिया गया है. पिछले साल के वसंत पर्वतारोहण के मौसम के दौरान, शुल्क देने वाले व्यक्तियों के लिए 421 परमिट जारी किए गए थे. 200 विदेशियों सहित लगभग 600 पर्वतारोही शिखर पर पहुंचे।

व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर स्पेनिश भाषा का पेज बंद, ट्रंप प्रशासन के फैसले से हिस्पैनिक समुदाय में निराशा

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण के कुछ ही घंटों के भीतर, नए प्रशासन ने आधिकारिक व्हाइट

हाउस वेबसाइट के स्पेनिश-भाषा के पेज को हटा दिया। इस साइट के स्पेनिश पेज पर जाने पर यूजर्स को एरर 404 मैसेज मिलता है। इसमें एक गो होम बटन भी शामिल था जो यूजर को ट्रंप के पहले कार्यकाल और अभियान के दौरान के वीडियो मोंटाज वाले पेज पर ले जाता था। बाद में बटन को गो टू होम पेज में अपडेट किया गया जो यूजर को व्हाइट हाउस के होमपेज पर ले जाता है। व्हाइट हाउस के स्पेनिश एक्स अकाउंट को भी बंद कर दिया गया है। इस बीच, श्रम, न्याय और कृषि विभाग जैसी अन्य सरकारी एजेंसियों के स्पेनिश संस्करण मंगलवार को यूजर्स के लिए उपलब्ध रहे। अमेरिका स्पेनिश भाषा बोलने वाला हिस्पेनिक समुदाय इससे निराश है। मीडिया रिपोट्स के मुताबिक हिस्पैनिक ग्रुप्स और अन्य लोगों ने अचानक हुए बदलाव पर भ्रम व्यक्त किया और प्रशासन द्वारा लैटिनो समुदाय के साथ संवाद बनाए रखने के प्रयासों की कमी पर निराशा जाहिर की। ऐसा माना जाता है कि हिस्पैनिक समुदाए ने इस बार चुनाव में ट्रंप को बड़े स्तर पर समर्थन दिया है। 2023 की जनगणना ब्यूरो के अनुमान के अनुसार, लगभग 43.4 मिलियन अमेरिकी [5 वर्ष और उससे अधिक आयु की अमेरिकी आबादी का 13.7प्रतिशत घर पर स्पेनिश बोलते हैं। अमेरिका की कोई आधिकारिक भाषा नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक परिवर्तनों के बारे में पूछे जाने पर, व्हाइट हाउस के प्रमुख उप प्रेस सचिव हैरिसन फील्ड्स ने मंगलवार को जवाब दिया कि प्रशासन वेबसाइट के स्पेनिश अनुवाद अनुभाग को फिर से ऑनलाइन लाने के लिए प्रतिबद्ध है। फील्ड्स ने बिना विस्तार से बताए कहा, यह दूसरा दिन है। हम व्हाइट हाउस की वेबसाइट को विकसित करने, संपादित करने और उसमें सुधार करने की प्रक्रिया में हैं। इस चल रहे काम के हिस्से के रूप में, वेबसाइट पर संग्रहीत कुछ सामग्री निष्क्रिय हो गई थी।

ट्रंप का आदेश, 25,000 से अधिक अफगान शरणार्थियों का भविष्य अंधेरे में

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शरणार्थी कार्यक्रम को निलंबित करने का कार्यकारी आदेश जारी किया है। उनके इस कदम ने पाकिस्तान में रहने वाले हजारों अफगानों के भाग्य पर बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। अमेरिकी शरणार्थी कार्यक्रम के तहत अफगानिस्तान से भागकर पाकिस्तान में रह रहे 25,000 से अधिक अफगान नागरिकों को अंततः अमेरिका में बसाया जाना था। ये वे लोग थे जो तालिबान शासित अफगानिस्तान से भागकर पाकिस्तान में आए थे और वर्षों से अमेरिका में पुनर्वास का इंतजार कर रहे थे। पाकिस्तान सरकार और बाइडेन प्रशासन के बीच हुए समझौते के अनुसार, दोनों देशों के बीच यह सहमति बनी थी कि 25,000 से अधिक अफगानों - को बाद में अमेरिका में बसाया जाएगा। इनमें से अधिकांश ने अगस्त 2021 में तालिबान के काबुल की सत्ता पर कब्जे से पहले अमेरिकी सेना और उसके ठेकेदारों के साथ काम किया था इस्लामाबाद को शुरू में उम्मीद थी कि यह समझौता अफगान नागरिकों के देश में अस्थायी प्रवास के लिए होगा। हालांकि, पिछले साढ़े तीन वर्षों से इस पर कोई प्रगति नहीं हुई है। वरिष्ठ रणनीतिक विश्लेषक कामरान यूसुफ ने कहा, बाइडेन प्रशासन ने पाकिस्तान को आश्वासन दिया था कि विशेष अप्रवासी वीजा (एसआईवी) और अमेरिकी शरणार्थी प्रवेश कार्यक्रम (यूएसआरएपी) जैसी पहलों के माध्यम से अफगानों को फिर से बसाया जाएगा।

राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रम्प का पहला इंटरव्यू: कहा- मैंने बाइडेन की तरह अपने लोगों को माफी नहीं दी

वॉशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रम्प ने दूसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद बुधवार को पहला इंटरव्यू दिया। ट्रम्प ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में बाइडेन सरकार पर कई तंज किए। उन्होंने कहा कि मैंने अपने लोगों को बाइडेन की तरफ राष्ट्रपति रहते माफी नहीं दी। ट्रम्प ने कहा कि जब मैं पहली बार राष्ट्रपति था तो मेरे कार्यकाल के अंतिम दिनों में मुझसे से भी पूछा गया था कि क्या मैं खुद को और अपने लोगों को माफी देना चाहूंगा?

ट्रम्प ने कहा- तब मैंने कहा कि मैं किसी को माफ नहीं करूंगा, हमने कुछ भी गलत नहीं किया। हमारे लोगों ने कई तकलीफें झेली, वे बहादुर देशभक्त हैं। दरअसल जो बाइडेन ने राष्ट्रपति रहते अपने बेटे हंटर, भाई जेम्स और उनकी पत्नी सारा, भाई फ्रांसिस, बहन वेलेरी और उनके पति जॉन ओवेन्स को माफी दे दी थी। बाइडेन का कहना था कि सिर्फ उन्हें परेशान करने के लिए उनके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है।

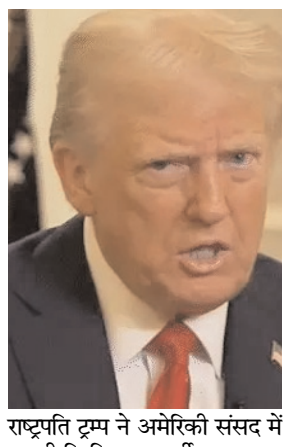

ट्रम्प से जब पूछा गया कि उन्हें राष्ट्रपति ऑफिस में वापस लौटकर कैसा लग रहा है। इस पर उन्होंने कहा यहां बहुत काम बाकी था। अगर मैं 2020 में दोबारा राष्ट्रपति बन जाता तो बहुत सारा काम तब ही खत्म हो जाता। ट्रम्प ने आगे कहा अगर मैं 2020 में भी राष्ट्रपति बनता तो हमारे देश में महंगाई नहीं होती, अफगानिस्तान जैसा संकट नहीं होता, 7 अक्टूबर को इजराइल जैसी घटना नहीं होती और यूक्रेन में युद्ध नहीं होता। हमें अमेरिका की बहुत सी परेशानियों का हल ढूंढना है

राष्ट्रपति ट्रम्प ने अमेरिकी संसद में अपनी रिपब्लिकन पार्टी का हवाला देते हुए कहा कि हमें अमेरिका की बहुत सारी परेशानियां का हल ढूंढना है और इनका हल ढूंढा भी जा सकता है। इसके लिए बस समय, मेहनत और पैसे की जरूरत होगी। उन्होंने कहा- अगर हम यह चुनाव हार गए होते तो हमारा देश हमेशा के लिए खो गया होता। अब हम अपना देश वापस पा सकते हैं। ट्रम्प ने कहा हमें उन शहरों को दी जाने वाली धनराशि में कटौती करनी पड़ेगी जो अप्रवासियों को डिपोर्ट करने के कानून को लागू करने में हमारी सरकार की मदद नहीं कर रहे हैं। मुझे सच में ऐसा करना पड़ सकता है। कभी-कभी यही एकमात्र तरीका होता है जो हम कर सकते हैं। ट्रम्प ने टिकटॉक से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं को खारिज किया टिकटॉक ऐप से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं को खारिज करते हुए ट्रम्प ने कहा- आप चीन में बनी हर चीज के बारे में ऐसा कह सकते हैं। उन्होंने कहा- हमारे पास चीन में बनी बहुत सी चीजें हैं। विपक्षी उनका जिक्र क्यों नहीं करते? लेकिन ञ्रद्बद्मञ्ञश्द्म के साथ दिलचस्प बात यह है कि इसके जरिए बहुत से युवाओं के साथ काम कर रहे हैं। अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने वाला बिल पास दूसरी तरफ अमेरिकी संसद में ट्रम्प की पार्टी को पहली विधायी जीत मिली है। अमेरिकी संसद कांग्रेस ने एक बिल को मंजूरी दे दी है। इसके तहत बिना अनुमति देश में घुसने वाले और कुछ अपराधों के आरोप में पड़के गए अप्रवासियों को हिरासत में लेकर डिपोर्ट करना जरूरी होगा। इस बिल का नाम जॉर्जिया राज्य के 22 साल छात्र के नाम पर लेकेन रिले एक्ट रखा गया है। पिछले साल वेनेजुएला के एक अवैध प्रवासी ने इस छात्र की रनिंग करते समय हत्या कर दी गई थी।

एलन मस्क और सैम ऑल्टमैन के बीच सोशल मीडिया पर स्टारगेट को लेकर छिड़ी बहस

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। एक्सएआई के मालिक एलन मस्क और ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन एक्स पर भिड़ गए हैं। ये लड़ाई स्टारगेट प्रोजेक्ट को लेकर हो रही है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ओपनएआई ने मंगलवार को कहा कि वह सॉफ्टबैंक और ओरेकल के साथ मिलकर अमेरिका में एआई के लिए कई डेटा सेंटर बनाएगी। दोनों कम्पनियों को उम्मीद है कि वे स्टारगेट के लिए शुरू में 100 बिलियन डॉलर का निवेश करेंगी तथा अगले चार वर्षों में इस उद्यम में 500 बिलियन डॉलर का निवेश करेंगी। संयुक्त बयान में कहा गया, सॉफ्टबैंक और ओपनएआई स्टारगेट के प्रमुख भागीदार हैं, सॉफ्टबैंक के पास वित्तीय जिम्मेदारी है और ओपनएआई के पास परिचालन जिम्मेदारी है। मस्क ने मंगलवार को एक्स पर कई पोस्ट में लिखा, वास्तव में उनके पास पैसा नहीं है। सॉफ्टबैंक ने 10 बिलियन डॉलर से कम की रकम सुरक्षित कर ली है। मुझे इस बारे में अच्छे स्रोत से जानकारी मिली है। ऑल्टमैन ने बुधवार को एक एक्स पोस्ट में मस्क पर पलटवार किया। मस्क के इस आरोप पर कि सॉफ्टबैंक के

पास पूंजी की कमी है, जवाब देते हुए ऑल्टमैन ने कहा, गलत जानकारी, और आप ये निश्चित रूप से जानते हैं। मुझे एहसास है कि जो देश के लिए अच्छा है वह हमेशा आपकी कंपनियों की इच्छा के अनुरूप नहीं होता लेकिन आपको जो नई जिम्मेदारी मिली है उससे मुझे उम्मीद है कि आप अमेरिका को सबसे पहले रखेंगे। ओपनएआई की तरह एक्सएआई भी अपने एआई सिस्टम को विकसित करने के लिए बुनियादी ढांचे की तलाश में है। टेकक्रंच की एक रिपोर्ट के अनुसार, अनुमान है कि मस्क की कंपनी ने मेम्फिस में अपने एकल डेटा सेंटर पर 12 अरब डॉलर खर्च किए हैं और सुविधा को अपग्रेड करने में अरबों डॉलर और खर्च कर सकती है। मस्क, जो ओपनएआई के शुरुआती निवेशक और बोर्ड के सदस्य हैं, ने पिछले साल ऑल्टमैन की कंपनी पर मुकदमा दायर किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कंपनी ने लाभ कमाने के बजाय सार्वजनिक भलाई के लिए काम करने वाली एक गैर-लाभकारी अनुसंधान प्रयोगशाला के रूप में अपने संस्थापक उद्देश्यों के साथ विश्वासघात किया है।

रूपर्ट मर्डोक के अखबार ने प्रिंस हैरी से माफी मांगी: कोर्ट के बाहर समझौता

लंदन, एजेंसी। प्रिंस हैरी ने मीडिया मुगल रूपर्ट मर्डोक के अखबार द सन के साथ समझौता कर लिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक प्रिंस हैरी के वकील ने बुधवार को कहा कि द सन ने प्रिंस हैरी से उनकी निजी जिंदगी में दखल देने को लेकर माफी मांग ली है। इस माफीनामे के बाद प्रिंस हैरी और रूपर्ट मर्डोक के बीच लंबे समय से चल रही कानूनी लड़ाई कोर्ट में सुनवाई शुरू होने से एक दिन पहले ही सुलझ गई है। बीबीसी के मुताबिक इस समझौते से प्रिंस हैरी को 100 करोड़ से ज्यादा की रकम मुआवजे के तौर पर मिलेंगे। मर्डोक की दो न्यूज कंपनी न्यूज ऑफ द वर्ल्ड और द सन पर आरोप था कि उन्होंने 1996 से 2011 के बीच प्रिंस हैरी का फोन हैक किया, गलत तरीके से उनकी निजी जानकारियां जुटाईं। हैरी ने आरोप लगाया था कि 200 से ज्यादा बार ऐसी खबरें छापी गईं, जिसमें उनकी निजी जानकारियों का जिक्र किया गया था। अखबार ने माना है कि यह गैरकानूनी था। न्यूज ऑफ द वर्ल्ड 2011 में बंद हो गई थी। लेडी डायना के लिए भी माफी मांगी ब्रिटिश अखबार ने प्रिंस हैरी की मां लेडी डायना के निजी जीवन में किए गए घुसपैठ के लिए भी माफी मांगी है। डायना की 1997 में पेरिस में एक कार हादसे में मौत हो गई थी। हादसे से पहले कई फोटोग्राफर प्रिंस डायना की तस्वीरें लेने के लिए उनका पीछा कर रहे थे। अखबार द सन ने माफी मांगते हुए बयान जारी किया- हम ड्यूक को हुई परेशानी, उनके रिश्तों, दोस्ती और परिवार को हुए नुकसान के लिए माफी मांगते हैं और उन्हें पर्याप्त हर्जाना देने के लिए तैयार हैं। हैरी बोले- 15 साल का इंतजार खत्म हुआ द सन के साथ प्रिंस हैरी का विवाद काफी समय से चल रहा था। अखबार ने उनकी गर्लफ्रेंड से लेकर ड्रग्स लेने तक हर चीज पर रिपोर्टिंग की थी। प्रिंस हैरी ने अपनी मां की मौत के लिए मीडिया को ही जिम्मेदार ठहराया था। हैरी ने कहा था- उनके (मीडिया) हाथ खून से सने हैं। प्रिंस हैरी ने कहा कि वह इस ऐतिहासिक जीत से बेहत खुश हैं। 15 साल का इंतजार अब खत्म हो गया है। टॉम वॉटसन बोले- हैरी ने बड़े जानवर का शिकार किया मर्डोक की कंपनी ने पूर्व सांसद टॉम वॉटसन से भी माफी मांगी है। लेबर पार्टी के नेता वॉटसन अब हाउस ऑफ लॉर्ड्स के मेंबर हैं। वॉटसन 2009 से 2011 तक संसद में मर्डोक की न्यूज कंपनी की जांच कर रहे थे। इस दौरान ब्रिटिश अखबार ने वॉटसन की जासूसी की थी। टॉम वॉटसन ने कहा कि वे प्रिंस हैरी की 'बहादुरी और साहस' की तारीफ करते हैं।

कैलिफोर्निया में फिर से भड़की आग: 10 हजार एकड़ इलाका जला; 50 हजार लोगों को घर छोड़ने का आदेश

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में पिछले कई हफ्तों से लगी आग एक बार फिर भड़क गई है। इस बार लॉस एंजिलिस के उत्तरी इलाके ह्यूजेस में आग लगी है। बुधवार को लगी आग से करीब 10 हजार एकड़ इलाका जल गया है। आग की वजह 50 हजार लोगों को घर छोड़ने को कहा गया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, कास्टिक झील के पास लगी इस आग को बुझाने के लिए 4 हजार फायर फाइटर्स को तैनात किया गया है। यहां 48 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही हैं। सीएनएन के मुताबिक, आग इतनी तेजी से फैल रही है कि इससे हर 3 सेकेंड में एक फुटबॉल मैदान के बराबर इलाका जल रहा है। सैटेलाइट डेटा के मुताबिक स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह 10: 45 बजे कास्टिक झील के पास हॉटस्पॉट का पता चला था। इससे पहले लॉस एंजिलिस के आसपास के दक्षिणी जंगलों में 7 जनवरी को आग लगी थी। इसमें 25 लोगों की जान चली गई थी।

कैलिफोर्निया में पिछले 50 साल में 78 से ज्यादा बार लगी आग : कैलिफोर्निया में कई सालों से सूखे के हालात हैं। इलाके में नमी की कमी है। इसके अलावा यह राज्य अमेरिका के दूसरे इलाकों की तुलना में काफी गर्म है। यही वजह है कि यहां पर गर्मी के मौसम में अक्सर जंगलों में आग लग जाती है। यह सिलसिला बारिश का मौसम आने तक जारी रहता है। हालांकि, बीते कुछ सालों से हर मौसम में आग लगने की घटनाएं बढ़ी हैं। पिछले 50 सालों में कैलिफोर्निया के जंगलों में 78 से ज्यादा बार आग लग चुकी है। कैलिफोर्निया में जंगलों के

पास रिहायशी इलाके बढ़े हैं। ऐसे में आग लगने पर नुकसान ज्यादा होता है। 1933 में लॉस एंजिलिस के ग्रिफिथ पार्क में लगी आग कैलिफोर्निया की सबसे बड़ी आग थी। इसने करीब 83 हजार एकड़ के इलाके को अपनी चपेट में ले लिया था। करीब 3 लाख लोगों को अपना घर छोड़कर दूसरे शहरों जाना पड़ा था।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ह्यूजेस फायर नामक यह आग बुधवार को स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 10: 30 बजे लॉस एंजिल्स शहर से लगभग 80 किमी उत्तर-पश्चिम में कास्टेइक झील के पास लेक ह्यूजेस रोड के क्षेत्र में लगी. ये आग बड़ी तेजी से फैली और डेढ़ घंटे से भी कम समय में इस क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया. मोटे सूखे पेड़ों से ईंधन मिलने तथा सांता एना की तेज हवा के कारण जंगली आग तेजी से फैली.

इलाका खाली करने की अपील : कास्टेइक झील क्षेत्र और निकटवर्ती दूरदराज के घाटी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को निकालने के आदेश जारी कर दिए गए. लॉस एंजिल्स काउंटी शेरिफ विभाग के रॉबर्ट जेन्सन ने आग से प्रभावित क्षेत्र में रहने वाले सभी लोगों से तुरंत जगह खाली करने को कहा है. उन्होंने कहा कि हमने पैलिसेड्स और ईटन की आग में लोगों द्वारा आदेशों का पालन न करने के कारण हुई तबाही देखी है. उन्होंने कहा, यदि आपको निकासी का आदेश दिया गया है, तो कृपया बाहर निकल जाएं. पुलिस को पड़ोस में घूमते हुए देखा गया जो आग फैलने के कारण लोगों को वहां से निकल जाने के लिए कह रही थी. फुटेज में हेलीकॉप्टरों और विमानों को आग पर पानी और आग बुझाने वाले पदार्थ गिराते हुए दिखाया गया.

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्कूल संचालकों के खिलाफ विरोध

गोदादरा में स्कूल की छात्रा की आत्महत्या को लेकर NSUI के नेताओं ने DEO ऑफिस में कपड़े उतारकर विरोध दर्ज किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गोदादरा क्षेत्र में छात्रा द्वारा आत्महत्या किए जाने के बाद शिक्षा जगत में हलचल मच गई है। स्कूल संचालकों पर छात्रा और उसके पिता से फीस को लेकर दबाव बनाने के आरोप लगे थे, साथ ही छात्रा के प्रेम संबंधों की भी चर्चा हो रही थी। इस बीच अब राजनीतिक दल भी सक्रिय हो गए हैं।

कांग्रेस द्वारा विरोध किया गया NSUI और युवा कांग्रेस द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) के कार्यालय में जाकर विरोध दर्ज किया गया था। कांग्रेस ने ष्ठश्वह्म कार्यालय के अंदर जाकर आवेदन करते हुए कपड़े उतारने शुरू कर दिए थे। मौके पर मौजूद पुलिस ने कांग्रेस के युवा नेताओं को रोका। कपड़े उतारने का विरोध शुरू होने से थोड़ी देर के लिए मामला तनावपूर्ण हो गया, लेकिन इसके बाद नेताओं ने स्कूल संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की।

NSUI के शहर अध्यक्ष धीरेन्द्र सोलंकी ने बताया कि फीस को लेकर छात्रा और उसके अभिभावकों को अत्यधिक दबाव डाला जा रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि अधिक फीस भी वसूली जा रही थी। स्कूल एक बंगलें में चलने जैसा दृश्य दिखाई दे रहा था। स्कूल में फायर सुरक्षा या खेल-कूद के मैदान की कोई सुविधा नहीं होने के बावजूद भी उसे अनुमति दी गई थी। शिक्षा विभाग को तुरंत प्रभाव से स्कूल संचालकों और प्रधानाचार्य के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। आज ही कच्छ में हुई घटना में भी एक छात्रा की जान चली गई है। विद्यार्थियों के मामले में सरकार को गंभीर कदम उठाने चाहिए और ऐसे स्कूलों के प्रधानाचार्य और शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

लिव-इन में रह रहे 20 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांदेसरा क्षेत्र में 20 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत हो गई थी। यह युवक घर के कमरे में सड़ी-गली हालत में लटका हुआ मिला था। चार बच्चों की मां के साथ लिव-इन में रह रहे युवक की मौत के बाद रहस्य उत्पन्न हुआ है। इस मामले को लेकर परिवारजन भी शंका व्यक्त कर रहे हैं। फिलहाल युवक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया है। साथ ही, फोरेंसिक पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और आगे की जांच की जा रही है।

20 वर्षीय युवक चार बच्चों की मां के साथ लिव-इन में रह रहा था

सूरत में चार बच्चों की मां के साथ रह रहा था, बंद कमरे से सड़ी हुई लाश मिली।

मिल रही जानकारी के अनुसार, मूल रूप से मध्यप्रदेश का रहने वाला 20 वर्षीय चतुरेश मुनिलाल वर्मा सूरत के पांदेसरा इलाके के गणेशनगर में रहता था। उसके परिवार में दो भाई और दो बहनें हैं। उसके माता-पिता का निधन बचपन में ही हो गया था। उसके बाद से ये भाई-बहन सूरत आकर रोज़गार कर रहे थे। चतुरेश डायन प्रिंटिंग मिल में काम करके अपना जीवन यापन करता था। वह परिवार से अलग रहता था और उसके दोनों भाई भी अन्य स्थानों पर रहते थे।

चतुरेश लगभग छह महीने पहले एक चार बच्चों की मां से मिला था। उसके बाद वह उससे प्रेम करने लगा। परिवारजनों ने उसे कमरे से अलग स्थान पर रहने की सलाह दी थी। इसके बाद चतुरेश और चार बच्चों की मां पिछले छह महीनों से लिव-इन में रह रहे थे। इस दौरान कुछ दिन पहले महिला चतुरेश को छोड़कर चली गई थी।

23-01-2025 रात 9:30 बजे के आसपास पुलिस को सूचना दी गई थी कि चतुरेश कमरे में लटका हुआ है। चतुरेश के कमरे से बहुत तेज़ बदबू आ रही थी, जिसके कारण आस-पास के लोगों ने भी इस बारे में पुलिस को जानकारी दी थी। कमरे में प्रवेश करने पर सड़ी-गली हालत में शव लटका हुआ पाया गया। पांदेसरा पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया। मृतक चतुरेश जिस महिला के साथ रह रहा था, वह भी कमरे पर पहुंची थी। परिवार को सूचना मिलने पर वे सिविल अस्पताल पहुंच गए।

सूरत की सिंगणपुर पुलिस फिर चर्चा में, स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने शराब के अड्डे पर मारा छापा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सिंगणपुर पुलिस थाना क्षेत्र में स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के अड्डे पर छापा मारा। यह कार्रवाई सरदार पटेल सोसाइटी के पास मूमाई बस पार्किंग के खुले मैदान में की गई, जहां लंबे समय से यह अवैध गतिविधि चल रही थी।

जब्त की गई शराब:

- छापे में 1,772 बोतल अवैध शराब जब्त की गई।
- जब्त शराब की कुल कीमत 2,83,648 आंकी गई है।

गिरफ्तार आरोपी:

स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने कार्रवाई के दौरान 7 लोगों को गिरफ्तार किया, जिनके नाम इस प्रकार हैं:

1. सुमन पठान
2. दीपक
3. धर्मेंद्र पटेल
4. जगदीश छत्रोला
5. विपुल पीपलिया
6. सतीश कुमार
7. हितेश

वॉन्टेड आरोपी:

- इसके अलावा, स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने चंदन कुमार समेत शराब की सप्लाई करने वाले 5 अन्य लोगों को वॉन्टेड घोषित किया है।

स्थानीय पुलिस पर सवाल:

- सूत्रों के अनुसार, यह शराब का अड्डा लंबे समय से सक्रिय था।
- लेकिन सिंगणपुर पुलिस ने इसे रोकने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।
- स्टेट मॉनिटरिंग सेल की कार्रवाई ने पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय प्रतिक्रिया:

- इलाके के निवासियों का कहना है कि अवैध गतिविधियों के बारे में पुलिस को जानकारी थी, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज किया।
- लोगों ने स्टेट मॉनिटरिंग सेल की इस कार्रवाई की सराहना की है।

आगे की कार्रवाई:

- स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है।
- फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमें तैनात की गई हैं।
- पुलिस पर अब इलाके में चल रहे ऐसे अन्य अवैध अड्डों को खत्म करने का दबाव है।

सूरत पुलिस को चोर ने अनोखी चिट्ठी लिखी

सूरत में पारिवारिक झगड़े में डॉक्टर पर एसिड अटैक,डॉक्टर पर सल्फ्यूरिक एसिड फेंका, हालत गंभीर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के गोडादरा क्षेत्र में 23 जनवरी की रात एक चौंकाने वाली घटना घटी। श्रीसाईं क्लिनिक चलाने वाले डॉक्टर शामजी बलदानिया पर धीरु कावड़ नामक व्यक्ति ने एसिड अटैक किया। गुरुवार रात लगभग साढ़े सात बजे धीरु कावड़ एसिड भरी कैन लेकर डॉक्टर के क्लिनिक में घुसा और सल्फ्यूरिक एसिड से डॉक्टर पर हमला किया। इस पूरी घटना का सीसीटीवी कैमरे में भी रिकॉर्ड हो गया है।

डॉक्टर शामजी बलदानिया पर एसिड अटैक के बाद गोडादरा पुलिस ने आरोपी धीरु कावड़ को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी धीरु एक रत्न कारीगर है। आरोपी के परिवार में पिछले काफी समय से देरानी और जेठानी के बीच विवाद चल रहा था, जिसके कारण परिवार के सदस्य मानसिक तनाव में थे। बदला लेने के लिए आरोपी धीरु ने डॉक्टर पर एसिड अटैक किया। डॉक्टर शामजी बलदानिया आरोपी के भाई की पत्नी के भाई हैं।

परिवारिक विवाद में आरोपी ने इस मामले में डीसीपी पिनाकी पमरि ने कहा कि डॉक्टर शामजी बलदानिया की बहन आरोपी धीरु की पत्नी की देरानी हैं। देरानी और जेठानी के बीच बार-बार झगड़ा हो रहा था। आरोपी धीरु को लगा कि दोनों के बीच झगड़े का कारण डॉक्टर हैं और उनके कारण घर में कलह होता है। इस कारण उसने दुकान से एसिड खरीदा और क्लिनिक पहुंचकर डॉक्टर पर अचानक एसिड अटैक कर दिया। आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी कर ली गई है। यह जांच की जा रही है कि एसिड कहां से खरीदा गया।

घटना के सामने आए सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि पीले रंग की शर्ट पहने एक व्यक्ति हाथ में एसिड की कैन लेकर अचानक दौड़ते हुए क्लिनिक में घुसता है। इस व्यक्ति ने गणना की सेकंडों में डॉक्टर पर एसिड फेंका। इस हमले के बाद डॉक्टर बलदानिया उस शख्स के साथ झपाझप करते नजर आते हैं और उसे धक्का देकर क्लिनिक से बाहर निकाल देते हैं। इसके बाद, डॉक्टर गंभीर रूप से जलने के बावजूद मदद के लिए पास के मेडिकल स्टोर तक दौड़ते हैं।

डॉक्टर की हालत गंभीर

इस घटना में डॉक्टर शामजी बलदानिया की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद उन्हें तुरंत इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घटना की जानकारी मिलते ही गोडादरा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी शख्स को कुछ ही घंटों में पकड़ लिया।

हमलावर डॉक्टर का परिचित

जानकारों के मुताबिक, हमलावर शख्स धीरु क्राड था, जो डॉक्टर बलदानिया का परिचित है। पारिवारिक विवाद के कारण यह हमला किए जाने का प्राथमिक अनुमान है। धीरु क्राड ने हमले से पहले दो बार क्लिनिक की रैकी की थी और इस योजना को बनाने के बाद एसिड की कैन लेकर डॉक्टर पर हमला किया। इस मामले में आगे की जांच चल रही है और पुलिस ने कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

दुकान से 11.85 लाख की चोरी के बाद CCTV के सामने माफी मांगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के एक व्यापारी की दुकान से 11.85 लाख रुपए की चोरी के बाद, चोर ने एक चिट्ठी छोड़ी, जिसमें उसने व्यापारी से माफी मांगी और लिखा, च्माफ करना शेखजी, मेरी मजबूरी है...ज्ञ चोर ने ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे में पकड़े जाने के बावजूद अपने अपराध को स्वीकारते हुए यह चिट्ठी छोड़ी। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और चोर की पहचान के लिए प्रयासरत है।

सूरत शहर के उधना क्षेत्र में स्थित रघुपति फैशन नामक दुकान में 11.85 लाख रुपये की चोरी का मामला किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं था। चोरी करने आए चोर ने बुरखा पहन रखा था। चोरी के बाद चोर ने अपने हाथ से एक कागज पर च्आपका कारीगरज्ञ नाम से एक चिट्ठी लिखी और उसे टेबल पर रख दिया। इसके अलावा, चिट्ठी लिखने के बाद आरोपी ने ष्टष्टञ्जङ्क के सामने 10 बार सिर झुकाकर माफी मांगी। शुरुआत में पुलिस ने यह समझा कि यह चोरी कारीगर ने की होगी, लेकिन जांच के दौरान यह पता चला कि चोर कोई और नहीं, बल्कि एक कड़ा अपराधी था।

पुलिस को गुमराह करने के लिए उसने कारीगर के नाम पर चिट्ठी छोड़ी थी और चोरी के बाद अपनी पत्नी को फ्लाइट से ओडिशा भेज दिया था। इस मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

9 जनवरी को उधना क्षेत्र में स्थित लक्ष्मी नारायण इंडस्ट्रियल एरिया के रघुपति फैशन नामक दुकान में चोरी हुई थी। 11.85 लाख रुपये की चोरी में चोर ने बाथरूम की खिड़की की लोहे की जाली और सलियां काटकर अंदर प्रवेश किया था। ऑफिस की टेबल के दराज को तोड़कर रखे गए नकद पैसे चुराए थे। CCTV फुटेज में तकनीकी जांच में यह पता चला कि चोरी दो लोगों ने की थी। दोनों चोर बाइक से डेढ़ किलोमीटर दूर उतरे थे, जिसमें से एक बाहर निगरानी कर रहा था और दूसरा बुरखा पहनकर ऑफिस में चोरी के लिए घुसा था।

डीसीपी पिनाकिन परमारे ने बताया कि मुख्य आरोपी लाला है, जो ओडिशा का निवासी है। उसने पुलिस को गुमराह करने के लिए कारीगर के नाम पर पत्र लिखा था। लाला पर अब तक बारह से ज्यादा अपराध दर्ज हैं। आरोपी लाला अपनी इंस्टाग्राम आईडी से साड़ियों के एड्रेस खोजकर रेकी करता था। वह रात में मॉपेड पर स्कूल

दुकान में 11.85 लाख रुपये की चोरी का मामला किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं था। चोरी करने आए चोर ने बुरखा पहन रखा था। चोरी के बाद चोर ने अपने हाथ से एक कागज पर च्आपका कारीगरज्ञ नाम से एक चिट्ठी लिखी और उसे टेबल पर रख दिया। इसके अलावा, चिट्ठी लिखने के बाद आरोपी ने ष्टष्टञ्जङ्क के सामने 10 बार सिर झुकाकर माफी मांगी। शुरुआत में पुलिस ने यह समझा कि यह चोरी कारीगर ने की होगी, लेकिन जांच के दौरान यह पता चला कि चोर कोई और नहीं, बल्कि एक कड़ा अपराधी था।

चोर को बुरखा पहने हुए दिखाई दिया, जिसने लगभग साढ़े तीन मिनट में चोरी करके भागने में सफलता पाई।

पुलिस ने ऑफिस की जांच में एक कागज पाया, जिसमें चोर ने पेंसिल से लिखा था- ''सॉरी, माफ करना शेख जी, मेरी मजबूरी है, इसलिए कर रहा हूँ, मेरी बीवी की तबियत खराब है। अस्पताल में खर्चा हो रहा है। हो सके तो माफ कर देना। मैं आपके पैसे जल्दी चुका दूँगा। माफ करना, आपका कारीगर ।ज्ञ इस पत्र को देखकर पुलिस को लगा कि चोरी कारीगर ने की है, लेकिन CCTV फुटेज और बैग में चोरी के उपकरण रखकर निकलता था और गिरिश नामक सहयोगी के साथ चोरी की वारदात को अंजाम देता था। इस बार लाला ने 11.85 लाख रुपये चोरी किए थे, लेकिन गिरिश को केवल 2 लाख रुपये दिए और 1 लाख रुपये में उसे सेट किया था। चोरी के बाद लाला ने अपनी पत्नी को फ्लाइट से ओडिशा भेज दिया था। वह भी ओडिशा भागने वाला था, लेकिन पुलिस ने समय रहते उसकी गिरफ्तारी कर ली।